मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 23
मंगलवार, 29 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में छिड़ी बहस, सरकार और विपक्ष में वार-पलटवार

नई दिल्ली, 28 जुलाई। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही तीन बार और राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। हालांकि, 2 बजे से लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कहना गलत और निराधार है कि इस अभियान को किसी दबाव में आकर रोका गया था। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी कुछ गलतफहमी बची रह गयी है तो उसे भी दूर कर दिया जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना जरूरी था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने TRF को बचाया था, हमने उसकी कोशिश नाकाम की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नागरिकों की सुरक्षा करना हमारा

अधिकार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों मे से पाकिस्तान के अलावा केवल तीन राष्ट्रों ने विरोध किया था। यह हमारी कूटनीति का ही परिणाम था कि टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय अमेरिका के साथ बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं हुआ था, 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ। जयशंकर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहाः जिन लोगों ने कुछ नहीं किया, वे बहावलपुर और मुरीदके में आतंकी स्थलों को ध्वस्त करने वाली सरकार पर सवाल उठाने की हिम्मत कर रहे हैं।

कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोका गया था और पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं।

बिहार की मतदाता सूची पर संग्राम, एसआईआर के खिलाफ संसद में विपक्ष का हल्ला बोल

नई दिल्ली, 28 जुलाई। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ संसद में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए सोमवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

संसद के मकर द्वार के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष

अखिलेश यादव और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर एसआईआर- अटैक ऑन डेमोक्रेसी (लोकतंत्र पर हमला) लिखा हुआ था।

खरगे ने एसआईआर के खिलाफ संविधान को बचाओ और लोकतंत्र की हत्या बंद करो के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने कहा कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन से पहले विपक्षी नेताओं ने संसद भवन परिसर में बैठक की, जिसमें संसद के मानसून सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

टैगोर की धरती से ममता ने छेड़ा दूसरा भाषा आंदोलन

कोलकता, 28 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी अस्मिता, मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मजदूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते।

भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च टूरिस्ट लॉज चौराहे से शुरू हुआ और

नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ। हाथ में टैगोर का चित्र लिए हुए ममता ने सड़क के दोनों ओर खड़ी भीड़ का अभिवादन करते हुए रैली का नेतृत्व किया। पार्टी कार्यकताओं ने प्रतुल मुखोपाध्याय का प्रतिष्ठित विरोध गान अमी बांग्लाय गान गाई गाया, जबकि सफेद और लाल साड़ियां पहने महिलाओं ने शंख बजाया, जिससे रैली में एक विशिष्ट बंगाली संस्कृति का रंग भर गया।

ममता ने अपनी जानी-पहचानी सूती साड़ी और शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती का पारंपरिक दुपट्टा पहन रखा था। उनके साथ वरिष्ठ तृणमूल नेता और मंत्री थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टैगोर की भूमि और बंगाल के सांस्कृतिक केंद्र बोलपुर को चुना जाना एक गहरे प्रतीकात्मक महत्व को दर्शाता है।

तीर्थों का समागम : काशी से रामेश्वरम तक सनातन की सेतु-स्थापना

◆काशी-रामेश्वरम के बीच आध्यात्मिक नवाचार, योगी आदित्यनाथ ने किया तीर्थ जल का ऐतिहासिक आदान-प्रदान

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास की तीसरी सोमवारी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनरुत्थान का प्रतीक बन गई। जिस प्रकार काशी विश्वनाथ धाम से रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग तक पवित्र तीर्थ जल और रेत का आदान-प्रदान हुआ, वह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि उत्तर से दक्षिण तक फैले भारतवर्ष की सनातन आत्मा को जोड़ने का एक विराट प्रयत्न है। इस पहल का राजनीतिक से कहीं अधिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह संकल्प ना केवल मूर्त रूप में परिणत हुआ, बल्कि देश को यह संदेश भी मिला कि भारत की शक्ति उसके तीर्थों में, उसके विश्वास में और उसके सांस्कृतिक सेतु में बसती है। जहां काशी को आदि विश्वेश्वर की राजधानी कहा गया है, वहीं रामेश्वरम को स्वयं भगवान श्रीराम की आस्था से जुड़ा, समुद्र किनारे स्थित प्राचीन ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है।

त्रिवेणी संगम का जल और प्रयाग की पावन रेत, जब रामेश्वरम के अभिषेक हेतु पहुंचती है, तो वह केवल एक तीर्थ सामग्री नहीं होती, वह भारत की सांस्कृतिक एकता का अमृत होती है। और जब रामेश्वरम से

कोडी तीर्थम का जल वापस काशी आता है, तो दक्षिण की भक्ति की गंगा उत्तर के ज्ञान में विलीन हो जाती है। यह परंपरा हमें हमारे प्राचीन भारत की याद दिलाती है द जहां तीर्थ यात्राएं केवल मोक्ष का मार्ग नहीं, बल्कि राष्ट्र को जोड़ने वाली अदृश्य डोर थीं। केदारनाथ से रामेश्वरम, द्वारका से पुरी तक फैली यह तीर्थ यात्रा भारत को भारत बनाती थी।

सच कहा जाए तो यह आदान-प्रदान एक अवचेतन सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरूआत है। राजनीति और प्रशासन की सीमाओं से परे, जब श्रद्धा और परंपरा का हाथ थामकर शासन चलता है, तभी ऐसे ऐतिहासिक क्षण जन्म लेते हैं। काशी के त्रिशूल और रामेश्वरम के रेत कणों ने मिलकर यह सिद्ध कर दिया कि सनातन केवल एक धर्म नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है कृ जो युगों-युगों तक जीवित रहेगी, बहती रहेगी, जोड़ती रहेगी।

श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर काशी नगरी एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनी। श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग एवं श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग (तमिलनाडु) के मध्य पवित्र तीर्थ जल और रेत के पारस्परिक आदान-प्रदान की परंपरा का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह परंपरा सनातन धर्म की दो महान धरोहरों के बीच एकता और सांस्कृतिक समन्वय का सशक्त प्रतीक बन गई।

भारत शेर है, मेंढकों से नहीं लड़ता, आतंकवाद पर होगा निर्णायक वारः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 28 जुलाई। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य सीमा पार करना या वहां के इलाके पर कब्जा करना नहीं था। ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का उद्देश्य उन आतंकी नर्सरियों को खत्म करना था, जिन्हें पाकिस्तान ने कई वर्षों से पोषित किया था। उन्होंने कहा कियह ऑपरेशन उन परिवारों को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया गया था जिन्होंने आतंकी हमले में अपनों को खोया था... ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य सीमा पार करना या किसी इलाके पर कब्जा करना नहीं था।

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिक-

सैन्य उद्देश्य उन आतंकी नर्सरियों का सफाया करना था जिन्हें पाकिस्तान ने कई सालों से पाला-पोसा था। और इसीलिए सशस्त्र बलों को अपने लक्ष्य चुनने की पूरी आजादी दी गई थी... उद्देश्य युद्ध छेड़ना नहीं, बल्कि दुश्मन को झुकने पर मजबूर करना था। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ सदस्य पूछ रहे हैं कि हमारे कितने विमान मार गिराए गए? मुझे लगता है कि उनका सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने हमसे यह नहीं पूछा कि हमारे सशस्त्र बलों ने कितने दुश्मन विमानों को मार गिराया? अगर उन्हें कोई सवाल पूछना ही है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, और इसका जवाब है, हाँ... अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो यह पूछेंः क्या इस ऑपरेशन में हमारे किसी बहादुर सैनिक को कोई नुकसान पहुँचा? जवाब है, नहीं, हमारे किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुँचा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने भी पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करने के लिए कई प्रयास किए हैं। लेकिन बाद में, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 के ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमने शांति स्थापित करने के लिए एक अलग रास्ता अपनाया है।

जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन महादेव, तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने किया ढेर

श्रीनगर, 28 जुलाई। श्रीनगर के पास दाचीगाम के जंगल के ऊपरी इलाकों में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। यह मुठभेड़ भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा एक बड़े संयुक्त अभियान के तहत शुरू की गई, जो दिन में पहले इलाके में गोलियों की आवाजें सुनने के बाद शुरू की गई थी। शीर्ष खुफिया सूत्रों ने पुष्टि की है कि मारे गए तीनों आतंकवादी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े विदेशी नागरिक थे।

उन्होंने आगे कहा कि यह मुठभेड़ एक महीने तक चले खुफिया-आधारित अभियान का नतीजा थी। दावा किया जा रहा है कि ये ये तीनों पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले में शामिल थे है। उन्होंने बताया कि जब सुरक्षा बल इलाके में तलाश अभियान चला रहे थे तब दूर से दो गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बलों को भेजा गया है। खोज और तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

सूचना

नाग पंचमी की देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर दिनांक 29-7-2025 को उत्तरशक्ति प्रेस एवं कार्यलय बंद रहेगा अगला अंक दिनांक 31-7-2025 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

Al-Farooq Public School
Affiliated to CBSE, New Delhi
ADMISSION OPEN 2025-26
Waseem Ahmad Khan
Principal
Karpi, Hamzapur Pathan, Kadipur, Sultanpur (UP 228145)
+91- 7521000350, 8127149817
afps2002@gmail.com ■ www.afpschool.in
Run By Foundation For Social Care Lucknow U.P.

Ismail Dental Hospital
इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स-रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
यह छूट जनवरी माह तक ही मान्य है।
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
Dental Surgeon
Cert. Orthodontist Cert. Endodontist
Regd. 12973
डॉ. शहला मुसर्रत
Dental Surgeon
B.Sc. Biotech, B.D.S. (Lko)
Regd. 12972
Call: 9044644776, 9580978774
क्लीनिक-1 सिपाह नीचे वाली रोड पर, जौनपुर
क्लीनिक-2 शाप नं0 11, इस्माईल काम्पलेक्स, शेखवाड़ा, जफराबाद, जौनपुर

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मनसा का मातम: अफवाह बनी त्रासदी की वजह

-ललित गर्ग

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरूआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं।

मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी।

ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते को पीयूष गोयल ने बताया गेमचेंजर

अशोक भाटिया

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक डील हुई है, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध का नया अध्याय शुरू होगा। 24 जुलाई, 2025 को लंदन में भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (ऋछ्अ) हुआ। इस समझौते के तहत दोनों देश आपसी व्यापार को 2030 क यानि अगले चार-पांच सालों में 120 अरब यूएस डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ब्रिटेन ने ब्रेक्जिट से निकल जाने के बाद पहली बार किसी देश के साथ इतनी बड़ी डील की हो। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारत की मजबूत और निर्णायक नेतृत्व क्षमता, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और लोगों की बढ़ती आय ने भारत को वैश्विक साझेदार के रूप में एक पसंदीदा देश बना दिया है। यह एक गेमचेंजर समजौता है । यूनाइटेड किंगडम के माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह यूके का ब्रेक्जिट के बाद का सबसे महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौता है।

ऐतिहासिक डील के लिए सर्वप्रथम सबसे पहले भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना आवश्यक है । यह वास्तव में मोदी सरकार का सराहनीय कदम है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, जो लगभग चार-पांच वर्षों से बातचीत में अटका हुआ था, आखिरकार फलीभूत हो गया है। दोनों देश पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के तहत हस्ताक्षर करने के बहुत करीब थे। जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन उससे पहले जॉनसन को जाना पड़ा। बाद में ऋषि सुनक ने भी इसे करने की कोशिश की। इस समझौते का दीप निवास पर दीपावली पर जलाया जाना था। ऐसा नहीं हुआ। फिर चुनाव हुए, और इंग्लैंड में सत्ता लंबे समय से लेबर पार्टी की थी। पूर्व के सभी पक्षपातपूर्ण हैं। पीयूष गोयल मतलब यह सब नए सिरे से शुरू करने के बारे में है। प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने ऐसा किया। इसका कारण ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे समय में जब ब्रेक्सिट का ग्रहण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को गहरा कर रहा है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का उदय इस ग्रहण के आर्थिक अंधेरे को जोड़ रहा है, अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ठोस करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, स्टारर ने यूरोपीय संघ के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और अब भारत के साथ। उन्होंने यूरोप के साथ समझौते को दोनों के लिए और भारत के लिए जीत का सौदा बताया। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा इंग्लैंड कुछ ऐसा चाहता था। उन्हें यह इन अनुबंधों के माध्यम से मिला। यह हमारी जरूरत भी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने प्रधानमंत्री के आजीवन मित्र रहे डोनाल्ड ट्रंप को एक मुश्किल जगह पर दर्द महसूस होने लगा है। इसके अलावा चीन जो दुविधा पैदा कर रहा है, वह भी है। इन दोनों देशों को छोड़कर यूरोप के साथ व्यापार समझौता भी अधर में लटका हुआ है। ना कहने के लिए, हमने अब तक 14 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन जब संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, मॉरीशस, मलेशिया, चिली, अफगानिस्तान, आदि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड किंगडम के विकल्प नहीं हैं, तो हमें एक मजबूत व्यापार समझौते की आवश्यकता थी जो दोनों की जरूरतों को पूरा करता हो।

इससे अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार 12 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। वर्तमान में, भारत ब्रिटेन से आयात से अधिक निर्यात करता है। लेकिन फिर भी उस देश के बाजार में भारत का हिस्सा दो प्रतिशत भी नहीं है। यह अब बढ़ेगा, क्योंकि इस समझौते में, लगभग सभी भारतीय वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ताकि वे कर-मुक्त हों। कपड़ा, कोल्हापुरी चप्पलें, आप उस देश में अधिक थोक दवाएं / रसायन, आभूषण आदि बेच सकेंगे। साथ ही लक्जरी कारों, महंगी शराब, गैर-कानूनी सेवाओं को इंग्लैंड से भारत में अधिक स्वतंत्र रूप से आपूर्ति की जाएगी। आप इंग्लैंड के सबसे बड़े चांदी आयातक होंगे। इस समझौते के बाद, ब्रिटेन के चांदी के लेनदेन भारत में चांदी के हो जाएंगे। भारत से दो प्रमुख मुद्दे उस देश में भारतीय शराब की मुक्त गुंजाइश और साथ ही, उस देश में शराब की बिक्री थे। इसे भारतीयों के कप में आसानी से गिरने दें। यह कुछ हद तक आसान होगा। कुछ हद तक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ब्रिटिश शराब पर भारत में लगाया गया आयात कर सिर्फ एक मुद्दा है। आयात कर कम हो जाएगा, लेकिन साथ ही इससे केंद्रीय और राज्य उत्पाद शुल्क, माल और सेवा कर आदि में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस समझौते का लाभ शराब कंपनियों की तुलना में शराब कंपनियों को अधिक होगा। उनके लक्जरी करों के कारण, केवल 350 रुपये में बेची जाने वाली व्हिस्की की बोतल भारतीय बाजार में 3100 रुपये से अधिक महंगी होगी। नए समझौते से मुश्किल से 300 रुपये का अंतर आएगा। दूसरा मुद्दा भारतीय बाजार में कानूनी सलाह देने वाली ब्रिटिश कंपनियों को मुफ्त दरवाजा देना होगा। 2035 तक, ब्रिटिश कानून फर्मों को भारत में सहायक कंपनियां स्थापित करने की अनुमति देने के लिए कुछ कदम उठाए जाएंगे। यह कहा जा सकता है कि हमने कुछ दिया है, व्यापार के संदर्भ में बहुत कुछ लिया है।

हालांकि, इस समझौते का असली फायदा ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीयों को होगा। शिक्षकों, खानसेम और यहां तक कि बड़ी संख्या में हाल के 'योग गुरुओं' को उस देश में अधिक अवसर मिलेंगे। भारतीय तकनीशियनों और कंप्यूटर विशेषज्ञों को मुफ्त में वीजा दिया जाएगा और उनकी संख्या भी बढ़ेगी। इसे शुद्ध लाभ के रूप में देखा जाना चाहिए या नहीं? यह प्रश्न। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास पहले से ही ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है जो विदेश जाना चाहते हैं। वह किसी भी पद पर विदेश जाने के लिए उत्सुक है। इंग्लैंड के पास अब उन लोगों के लिए अधिक अवसर होंगे जो ऐसी मातृभूमि को त्यागना चाहते हैं। भले ही यह प्रवासी वर्ग उस देश में रहकर पाउंड में कमाता हो, और अधिक जोश के साथ भारत माता का जाप करें! इसलिए अंतिम लाभ इंग्लैंड को होगा। वह भी दोगुना। एक, जो लोग संयुक्त राज्य अमेरिका जाना चाहते हैं, उनके कदम इंग्लैंड की ओर मुड़ जाएंगे, और दूसरा, इंग्लैंड को कम पैसे में बड़ी संख्या में अच्छे कुशल श्रमिक / कारीगर मिलेंगे। देश को पूर्वी यूरोपीय अकुशल भारतीयों की तुलना में थोड़ा अधिक महंगा लेकिन कुशल भारतीय मिलने लगेंगे जो वहां बहुत सस्ते में आना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, हमारे बौद्धिक नुकसान से ब्रिटेन को फायदा होगा। इस प्रकार, ऐसे समय में जब इस मुक्त व्यापार समझौते का जश्न मनाया जा रहा है और यह माना जाता है कि हमने 'विश्व नेता' बनने की दिशा में एक कदम उठाया है, दो बिंदुओं पर ध्यान देना बुद्धिमानी है।

पहला बिंदु हमारे निर्यात कारक हैं। पारंपरिक आभूषण और कम कुशल सामग्री हमारी निर्यात सूची में मुख्य योगदानकर्ता हैं। उस समय, यूके आपको जो सामान निर्यात करता है, उनमें उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण, विमान, आदि पुर्जे/प्रौद्योगिकी और समृद्ध कारें शामिल हैं। उन सभी को उच्चतम स्तर की प्रौद्योगिकी और तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। उनकी लागत भी अधिक होती है। ताकि जो सामान हम उस देश में भेजने जा रहे हैं वह अपेक्षाकृत सस्ता हो और साथ ही उस देश से हमारे बाजार में आ सके। हालाँकि, सामग्री अधिक मूल्यवान होगी। इसका मतलब यह है कि इंग्लैंड आपको अधिक सामान बेचकर जितना मिलेगा उससे बहुत कम बेचकर उतना ही या उससे अधिक कमाएगा। अथः हमें अधिक निर्यात योग्य कौशल-आधारित वस्तुओं के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। पापड़ - कुर्द/अचार/पापड़ हीन भावना के नहीं हैं। लेकिन आपको इसके साथ भव्य इंजीनियरिंग का सपना देखने की भी जरूरत है।

उदाहरण के तौर पर, यूके हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर के टेक्सटाइल आयात करता है, जिसमें भारत का हिस्सा सिर्फ 1।73 बिलियन डॉलर (करीब 5।5%) है। इसका कारण यह था कि बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश शून्य शुल्क पर निर्यात कर पा रहे थे और भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था। अब भारत को भी शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, जिससे हमारे उद्योगों को भारी अवसर प्राप्त होंगे। चमड़ा और फुटवेयर उद्योग में भी ड्यूटी दरें 216% तक थीं और हमारा निर्यात सिर्फ 0।5 बिलियन डॉलर था। अब हमारी कोल्हापुरी चप्पलें और जूते यूके बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धात्मक होंगे। जेम्स और जूलरी जैसे क्षेत्रों में भी जहां 4% ड्यूटी लगती थी, अब वह खत्म हो जाएगी।समुद्री उत्पाद, मैकेनिकल मशीनरी, प्लास्टिक, रबर, प्रोसेस्ड फूड्स, फर्नीचर, स्पोर्ट्स गुड्स, मीट, फल, सब्ज़ियां, मसाले – सभी क्षेत्रों को शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी। इससे हमारे किसानों को भी लाभ होगा और निर्यात में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी यह समझौता एक बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एफटीए के तहत 6 यूके यूनिवर्सिटी भारत में अपने कैंपस खोल रही हैं। इससे हमारे छात्रों को देश में रहकर ही यूके डिग्री मिल सकेगी और उन्हें विदेश जाकर लाखों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं होगी।सबसे बड़ा लाभ सेवा क्षेत्र को मिलेगा। पहले जो कर्मचारी 2-3 साल के लिए यूके भेजे जाते थे, उनके वेतन से पेंशन फंड में कटौती होती थी लेकिन उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता था क्योंकि वे 10 साल नहीं रुकते थे। अब वे उसी पैसे को भारत के प्रॉविडेंट फंड में जमा कर सकेंगे – जो उनके लिए एक बचत बनेगी, न कि हानि। यह मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए नए अवसरों का द्वार खोलने वाला है और इसका सबसे बड़ा विजेता भारत का मेहनतकश वर्ग और उद्योग जगत होगा। इस प्रकार यह पूरी तरह से भारत के हितों की रक्षा करने वाला समझौता है। इसके अंतर्गत हमें 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात वस्तुओं पर प्राथमिकता प्राप्त हुई है और अधिकांश मामलों में शून्य शुल्क की सुविधा मिली है। यह एक ऐतिहासिक और शानदार समझौता है, जो सिर्फ वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को समर्थन नहीं देगा, बल्कि एक स्थिर, पूवार्नुमान योग्य और सुरक्षित ढांचा भी तैयार करेगा जिससे भारत यूके की सप्लाई चेन में भरोसेमंद भागीदार बन सकेगा।

योगी के उर्जा मंत्री के बयानों में बिजली से ज्यादा करेंट !

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, जिन्हें एके शर्मा के नाम से जाना जाता है, कभी राजनेता नहीं रहे,वह एक पूर्व ब्यूरोक्रेट्स हैं। इसी के चलते अक्सर वह ऐसा कुछ बोल जाते हैं जिससे विवाद खड़ा हो जाता है। अपनी इसी बढ़ बोलेपन वाली कार्यशैली और विवादित बयानों के कारण हाल के दिनों में उर्जा मंत्री लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कभी अपने प्रशासनिक अनुभव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी सहयोगी के रूप में पहचाने जाने वाले शर्मा अब बिजली विभाग में कथित लापरवाही, अधिकारियों पर सख्ती और अपने बयानों से उपजे विवादों के कारण सुर्खियों में हैं। उनकी कार्यशैली जहां कुछ लोगों के लिए सुधारवादी और सख्त प्रशासक की छवि बनाती है, वहीं दूसरों के लिए यह विवादों को जन्म देने वाली साबित हो रही है।

एके शर्मा, 1988 बैच के गुजरात कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी, ने 2021 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर यूपी की राजनीति में कदम रखा तो उन्हें तुरंत विधान परिषद का सदस्य बना दिया गया,कहा यह जाने लगा कि शर्मा को मंत्री भी बनाया जायेगा,ऐसा इसलिये सही भी लग रहा था क्योंकि एके शर्मा मोदी के काफी करीबी थे,लेकिन सीएम योगी ने उन्हें अपने पहले कार्यकाल में जबरदस्त दबाव के बाद भी मंत्री नहीं बनाया। शर्मा मंत्री तब बने जब दोबारा बीजेपी चुनाव जीत कर आई और योगी ने एक बार फिर से शपथ ली। उन्हें ऊर्जा और नगर विकास विभाग का मंत्री बनाया गया। ऊर्जा और नगर विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभालने वाले शर्मा ने शुरू में अपनी कार्यकुशलता और अनुशासित दृष्टिकोण से सबका ध्यान भी खींचा। उन्होंने बिजली आपूर्ति में सुधार और विभागीय भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में कई कदम उठाए। हालांकि, हाल के महीनों में उनकी कार्यशैली और बयानबाजी ने उन्हें विवादों के केंद्र में ला खड़ा किया है।

हाल ही में, शर्मा ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर जमकर नाराजगी जताई। एक समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि बिजली विभाग कोई ष्बनिए की दुकानष नहीं है, बल्कि जनसेवा का माध्यम है। इस बयान ने न केवल बिजली कर्मचारियों बल्कि वैश्य समाज के बीच भी विवाद को जन्म दिया। कई संगठनों ने इसे अपने समुदाय पर कटाक्ष मानकर विरोध जताया। शर्मा को सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण देना पड़ा, जिसमें उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी वर्ग को ठेस पहुंचाना नहीं था, बल्कि वे केवल जनसेवा और व्यापार के बीच अंतर रेखांकित करना चाहते थे। उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया ताकि उनकी बात को सही संदर्भ में समझा जाए।

इसके अलावा, शर्मा का बिहार में मुफ्त बिजली योजना पर दिया गया बयान भी खासा चर्चा में रहा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, बिहार में बिजली फ्री है, लेकिन जब बिजली आएगी ही नहीं तो बिल आएगा ही नहीं, हो गई फ्री।ष इस बयान ने न केवल बिहार सरकार बल्कि विपक्षी दलों को भी हमला करने का मौका दे दिया। सोशल मीडिया पर यह बयान वायरल हो गया, और शर्मा को फिर से सफाई देनी पड़ी। उनके इस बयान को कई लोगों ने उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति की कमियों को छिपाने की कोशिश के रूप में देखा।

मुरादाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान बिजली गुल होने की घटना ने भी शर्मा को असहज स्थिति में डाल दिया। उनके ही कार्यक्रम में 10 मिनट तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसके बाद पांच वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इस घटना को प्रशासनिक विफलता के रूप में देखा गया, और शर्मा की सख्त कार्रवाई ने विभाग में हड़कंप मचा दिया। हालांकि, इस कार्रवाई को कुछ लोगों ने उनकी सख्त प्रशासकीय छवि का हिस्सा माना, तो कुछ ने इसे दिखावटी कदम करार दिया। शर्मा ने हाल ही में बस्ती जिले के एक अधीक्षण अभियंता का ऑडियो वायरल किया, जिसमें अधिकारी एक उपभोक्ता के साथ अमर्यादित बातचीत करते सुनाई दिए। इस ऑडियो को शेयर कर शर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि जनता के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। इस कदम से जहां कुछ लोग उनकी पारदर्शिता की सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ इसे विभागीय असफलताओं से ध्यान भटकाने की रणनीति मान रहे हैं।

सोशल मीडिया पर शर्मा की सक्रियता भी चर्चा का विषय रही है। वे अक्सर अपनी उपलब्धियों और विभागीय सुधारों को एक्स पर साझा करते हैं, लेकिन उनके कुछ बयानों और पोस्ट ने विवाद को हवा दी। उदाहरण के लिए, जय श्री राम के नारे को लेकर उनकी टिप्पणी ने कुछ लोगों को नाराज किया, जिन्होंने इसे धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिश माना।

कुल मिलाकर शर्मा की कार्यशैली को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया है। जहां कुछ लोग उनके सख्त रवैये को बिजली विभाग में सुधार की दिशा में जरूरी मानते हैं, वहीं अन्य इसे अनावश्यक रूप से आक्रामक और विवादास्पद मानते हैं। उनके बयानों और कार्रवाइयों ने न केवल विपक्ष बल्कि उनकी अपनी पार्टी के कुछ नेताओं को भी असहज किया है। वैसे एके शर्मा का कार्यकाल उपलब्धियों और विवादों का मिश्रण रहा है। उनकी सख्ती और सुधारवादी दृष्टिकोण ने बिजली विभाग में कुछ बदलाव जरूर लाए हैं, लेकिन उनकी बयानबाजी और कार्यशैली ने उन्हें विवादों का केंद्र भी बनाया है। भविष्य में उनके कदम और बयान उत्तर प्रदेश की राजनीति और प्रशासन में उनकी स्थिति को और स्पष्ट करेंगे।

विकास की दौड़ में दरकिनार भुखमरी, भारत में गरीबी, भुखमरी चिंतनीय

संजीव ठाकुर

कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में लिखा है कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में ही उसे अपना हित देखना चाहिए इसीलिए अशोक महान से लेकर अकबर और वर्तमान प्रजातंत्र में हर प्रधानमंत्री गरीबी भुखमरी हटाने के मूल मंत्र को लेकर आगे विकास की बात तय करते हैं।

भारत के विकास पर जनसंख्या का भारी दबाव है उस पर उसके संसाधन तथा उत्पादन के संतुलन में 141 करोड़ की जनसंख्या भारी पड़ती है। देश में इतनी बड़ी जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संसाधन बहुत ही सीमित और न्यून है, इन परिस्थितियों में देश को अपने उपलब्ध कृषि,जल, खनिज तथा अन्य संसाधनों का अधिकतम दोहन कर आर्थिक स्थिति को द्रुत गति से सुधारना होगा और निसंदेः इसके लिए हमें आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक एवं अन्य अनुसंधान का आवश्यक रूप से सहारा लेना होगा तब जाकर हमारी आर्थिक स्थिति का संतुलन जनसंख्या के अनुपात में समानुपातिक हो पाएगा और परिणाम स्वरूप गरीबी तथा भुखमरी से संपूर्ण रूप से ना सही पर काफी हद तक निजात पाई जा सकती है। सदियों से हर समाज गरीबी की कठिन परिस्थिति का सामना करता रहा है। गरीबी किसी मनुष्य को इस कदर मजबूर कर देती है कि वह अपने जीवन की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है। इसके कारण भुखमरी कुपोषण और बेरोजगारी जैसी न जाने कितनी समस्या गरीब व्यक्ति झेलता है। प्राचीन काल से ही की उत्तम शासन का लक्ष्य गरीबी हटाना व प्रजा के दुख दर्द हटाने के उचित उपाय करना निर्धारित किया गया है। अनेक अर्थ शास्त्रियों ने अपने अलग अलग मत व सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं । कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में लिखा है कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में ही उसे अपना हित देखना चाहिए इसीलिए अशोक महान से लेकर अकबर और वर्तमान प्रजातंत्र में हर प्रधानमंत्री गरीबी हटाने के मूल मंत्र को लेकर आगे विकास की बात तय करते हैं। आधुनिक काल में जब शासन कल्याणकारी बनने लगा तो जनता का हित सर्वोच्च लक्ष्य बन गया और गरीबी हटाने के मुहिम जोर शोर से चलने लगे, इसमें काफी हद तक सफलता भी प्राप्त की गई है।

जापान आज की स्थिति में विकसित राष्ट्र माना जाता है। पर इसे देखकर निश्चित तौर पर आश्चर्य होता है की यह एक ऐसा देश है जिसके पास में पर्याप्त प्राकृतिक साधन है न ही सुरक्षित निवास स्थान फिर भी लगातार दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होता है। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यह देश ना जाने कितने भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं का सामना निरंतर करता आया है, इसके बावजूद जापान सफल समृद्धि तथा गौरवशाली राष्ट्र बन चुका है, निसंदेह इसके पीछे विज्ञान तकनीकी का वृहद तथा व्यापक प्रयोग ही है। दूसरी तरफ एशिया,अफ्रीका के कई देश हैं, जिनके पास भरपूर प्राकृतिक संसाधन हैं, वे आज भी गरीबी पिछड़ापन को नहीं हटा पाए इसका एक बड़ा कारण पुरानी शैली पर टिका हुआ विकास है। विज्ञान अपनी क्षमता से विकास के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की ताकत रखता है। पश्चिमी कई देश साधन विहीन होने के पश्चात भी अत्यंत विकसित एवं संपन्न राष्ट्र बने विज्ञान की तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल कर वे अपने राष्ट्र को समृद्ध कर पाए हैं। यह तो तय है और स्पष्ट है कि व्यापक गरीबी का निवारण पिछड़े विकास के साधनों से संभव नहीं है, पुराने तरीके जहां अधिक संसाधन समय लेते हैं उसके परिणाम में कम उत्पादन, कम मूल्य प्रदान करते हैं। इसीलिए वैश्विक स्तर पर अब विज्ञान आधारित विकास से गरीबी मिटाने तथा विकास की नई इबारत लिखने की प्रतिस्पर्धा बढ़ चुकी है। गरीबी का सबसे भयानक रूप भुखमरी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है किंतु अब विज्ञान के प्रयोग से काफी कम हो चुकी है। भारत जैसा विशाल जनसंख्या वाला देश कभी भूख से कराह रहा था, पर आज अनाज का निर्यातक बन कर 141 करोड़ जनता का पेट भी भर रहा है और अनाज निर्यात भी कर रहा है। भारत ने कृषि में नवीन यंत्रों को विकसित कर जो बेहतर तौर-तरीकों जैसे वैज्ञानिक प्रयोगों से ग्रीन रिवॉल्यूशन को लाकर खड़ा कर दिया। अब भारत में पर्याप्त अन्न का भंडार भारतीय जनमानस के लिए उपलब्ध है। यह निसंदेह वैज्ञानिक तकनीक और दृढ़ संकल्प का ही परिणाम है,जो हमारे लिए गौरव का विषय भी है। इसी तरह मानव के विकास की अहम आवश्यकता शिक्षा और कौशल तकनीक भी गरीबी निवारण के लिए अपरिहार्य बन गई है। यहां भी वैज्ञानिक तरीकों से लॉजिकल पाठ्यक्रम ऑनलाइन पढ़ाई आदि से गरीबी के कई आधार स्तंभ हटाए गए हैं। विज्ञान आधारित विकास से अब समाज में उद्योग सेवा क्षेत्र में कई नौकरियां तथा रोजगार के अनेक अवसर पैदा हो रहे हैं। विकास यानी गरीबी हटाने के घरेलू उपाय का अच्छा रोजगार देने में विज्ञान का योगदान बहुत ज्यादा रहा है,लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था में शिक्षा कौशल प्राप्त कर गरीब युवा भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकता है। सामाजिक आर्थिक क्षेत्र ही नहीं बल्कि प्रशासनिक राजनीतिक क्षेत्र भी वैज्ञानिक तकनीकी से गरीबी मिटाने के प्रयास में लगातार अनवरत प्रयत्नशील है। ई गवर्नेंस व स्मार्ट गवर्नेंस में व्यापक तौर पर पारदर्शिता जवाबदेही लाकर प्रशासन को बेहतर बनाने में मदद की है यह भी गरीबी निवारण के लिए जरूरी सुशांत सुशासन का एक अहम हिस्सा है। विज्ञान तकनीकी आधारित विकास ने हमारी गरीबी का स्तर घटाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रभाव महसूस किया जा रहा है। अब इस बात की जरूरत है कि दुनिया के विकास के मॉडलों में सामाजिक मूल्य कमजोर वर्गों के प्रति करुणा विविध धर्म, संप्रदाय आदि क्षेत्र का सम्मान जैसी बातें भी शामिल हो। अब विकास का ऐसा मॉडल विकसित हो जाना चाहिए जो समाज को पर्यावरण प्रेम, नागरिक मानवीय कर्तव्य, नैतिक मूल्य का भी पाठ पढ़ाए ताकि समस्त सामाजिक वर्ग का विकास एक साथ सबके साथ हो सके। दुनिया के हर महत्वपूर्ण अर्थशास्त्री विकास के मॉडल में विज्ञान की तकनीकी का प्रयोग अत्यंत एवं आवश्यक मानते हैं। अब विकास के साथ विज्ञान और मूल्य का सही संयोजन जरूरी है ताकि असमानता के स्थान पर सभी का विकास संभव हो सके।

विज्ञान की अथाह क्षमता तथा शक्ति का सदुपयोग विकास के पथ को तीव्र सरल तथा उच्च उत्पादकता वाला बनाना होगा। गरीबी की दर्दनाक पीड़ा पर यह मरहम लगाकर उसे हटाने का बेहतर साधन भी बन सकता है। वैज्ञानिक तकनीक के साथ यदि मानवीय संवेदनाओं का समावेश हो तो यह कई गुना अधिक सफल बन सकती है। ऐसे में 'येन केन प्रकारेण' धन कमाने की लिप्सा और शोषण की सोच की जगह 'सर्वे भवंतू सुखिनः' जैसी सकारात्मक भावनाएं समाज में व्याप्त हो तभी विकास की सही दिशा को कोई भी राष्ट्र प्राप्त कर उस देश की गरीबी को हटाने में सफल हो सकता है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों और युवाओं के बीच की खाई को पाटना विषय पर चर्चा संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान जीएम मोमिन वीमेंस कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना(एनएसएस),आजीवन शिक्षा और विस्तार विभाग (डीएलएलई)और महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) द्वारा जीएम मोमिन कॉलेज भिवंडी सभागार में ₹कानून प्रवर्तन एजेंसियों और युवाओं के बीच की खाई को पाटना₹ विषय पर एक चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और युवाओं के बीच संबंधो को मजबूत करना था।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस आयुक्त ठाणे जिला आशुतोष डुम्बरे उपस्थित थे।अपने भाषण में उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और इस बात पर जोर दिया कि कानून प्रवर्तन और युवाओं के बीच समझ और संवाद को बढावा देने की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया। युवाओं को प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने और समाज को सुरक्षित बनाने में सकारात्मक योगदान के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य वक्ता ने चर्चा में भाग लेने वाले विद्यार्थियो द्वारा पूछे गए सवालों के संतोषजनक उत्तर भी दिए। कार्यक्रम में भिवंडी के डीसीपी शशिकांत बोराटे, केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अल्माज फकीह,सचिव दानियाल काजी,सह सचिव नवीद खरबे, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे चेयरपर्सन सेहबा पठान,एवं सोसायटी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।दानियाल काजी ने सोसायटी की गतिविधियों और उद्देश्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।प्राचार्या डा.तबस्सुम शेख ने केएमई सोसाटीज जीएम मोमिन वीमेंस कालेज की शैक्षणिक उपलब्धियों और प्रयासों को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। एनएसएस संयोजिका डा.रितु जैन, डा. श्वेता सुकुमार,डा.वैशाली निर्मलकर की उपस्थिति भी महत्वपूर्ण थी। कार्यक्रम के आयोजन में मिस्बाह मैडम तहरीन मैडम डा.शाजिया, डा.तनवीन,डा. सुमैया, शाहिद सर,नबा मैडम और डा.हिना ने कार्यक्रम के आयोजन में अपना विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में कालेज की छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

उत्तर यादव युवा संघ भिवंडी जिला द्वारा मेधावी छात्रों का प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। उत्तर यादव युवा संघ भिवंडी जिला द्वारा राधा कृष्ण विद्यालय शिवराम नगर रेल्वे स्टेशन रोड कामतघर भिवंडी में मेधावी छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार व मार्गदर्शन समारोह का आयोजन किया गया । शालांत परीक्षा 10वी,12वी, स्नातक, स्नाकोत्तर के अलावा व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित व प्रोत्साहन पुरस्कार के साथ मार्गदर्शन भी किया गया । समारोह की अध्यक्षता यादव समाज भिवंडी के अध्यक्ष व राधा कृष्ण विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक एन एल यादव ने किया । संचालन संघ? राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमाशंकर यादव व विनोद यादव ने किया । समारोह में प्रमुख अतिथि के तौर पर संघ संस्थापक अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव, सम्मानित अतिथि के तौर पर संघ केंद्रीय शिक्षा समिति अध्यक्ष शिवनारायण यादव, राधा कृष्ण विद्यालय सचिव आर एल यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभयराज यादव, वरिष्ठ समाजसेवी धनुषधारी यादव, डा. मुन्नालाल यादव व विशिष्ट अतिथि के तौर पर संघ भिवंडी जिला अध्यक्ष रामदेव यादव, संघ कल्याण जिला अध्यक्ष जितेंद्र यादव, भिवंडी जिला महिला अध्यक्ष सुग्गीदेवी यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजबहादुर यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय यादव, सविता यादव, साक्षी यादव इत्यादि उपस्थित थे। समारोह शुभारंभ श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना से किया गया तथा सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया गया । आए हुए सभी छात्रों को ट्राफी मैडल, मेरीट सर्टिफिकेट, नोटबुक व पुष्प गुच्छ देकर उनका हौसला बढाया गया तथा छात्रों के अभिभावकों को श्रीकृष्ण नाम दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह को सफल बनाने में विशेष तौर पर संघ भिवंडी जिला अध्यक्ष रामदेव जोखूलाल यादव, भिवंडी जिला महिला अध्यक्ष सुग्गीदेवी यादव, भिवंडी जिला महासचिव श्यामपाल यादव, भिवंडी जिला कोषाध्यक्ष अवधनारायण यादव, भिवंडी जिला कार्याध्यक्ष रामदेव यादव, भिवंडी जिला सचिव रामसजीवन यादव, भिवंडी पूर्व विधान मंडल अध्यक्ष अजयकुमार यादव, भिवंडी पश्चिम विधान मंडल अध्यक्ष बच्चेलाल (मनिका) यादव , समाजसेवी रमेश नोखेलाल यादव, सपा नेता अरविन्द यादव, समाजसेवी विजयबहादुर यादव , चंद्रभान यादव , राजेन्द्र यादव (मोती वाले), मनोज गुड्डू आदि का विशेष सहयोग रहा है।

पेटीएम ट्रैवल मेगा फेस्टिवल सेल की घोषणा

मुंबई। भारत की अग्रणी मोबाइल भुगतान और वित्तीय सेवाओं की वितरण कंपनी और मोबाइल पेमेंट्स, क्यूआर कोड्स और साउंडबॉक्स की अग्रदूत पेटीएम ने 'पेटीएम ट्रैवल मेगा फेस्टिवल सेल' की घोषणा की है। यह ऑफर रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी जैसे आगामी त्योहारों के लिए उड़ानों और बस बुकिंग पर अधिकतम 20% तक की छूट प्रदान करता है। यह सेल 31 जुलाई 2025 तक लाइव है और इसे त्योहारों के दौरान परिवार से मिलने, लंबे सप्ताहांत की यात्राओं या छुट्टियों की योजनाओं को अधिक किफायती बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक और आरबीएल बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के साथ साझेदारी की है ताकि कार्डधारकों को विशेष छूट दी जा सके।

गणेश मूर्ति सजावट प्रतियोगिता के विजेता मंडलों को विधायक विश्वनाथ भोईर के हांथो पुरस्कार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सांस्कृतिक गणेश उत्सव महामंडल की ओर से पिछले वर्ष के गणेशोत्सव में सर्वश्रेष्ठ झांकी और गणेश मूर्ति सजावट प्रतियोगिता के विजेता मंडलों को पुरस्कार वितरण किया गया।

सांस्कृतिक गणेश उत्सव महामंडल कल्याण के संस्थापक महेश गायकवाड़, शिवसेना के विधायक विश्वनाथ भोईर और अन्य मान्यवरों के हाथों मंडलों को पुरस्कार दिए गए। करीब 200 मंडलों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में सजावट के लिए शिवगर्जना मित्र मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और महामंडल की ओर से उन्हें 21 हजार रुपये नकद और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। नेतीवलीचा राजा के रूप में प्रसिद्ध जय गणेश मित्र मंडल ने द्वितीय स्थान, और श्री साईराम सोसायटी गणेश मंडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ मूर्ति सजावट के लिए विठ्ठलवाड़ी के पंचशील बाग मित्र मंडल को प्रथम पुरस्कार दिया गया। वहीं टाइगर वाधवा ग्रुप उल्हासनगर और तमिल मित्र मंडल को द्वितीय और तृतीय स्थान देकर सम्मानित किया गया। साथ ही इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मान्यवरों का विशेष सत्कार किया

गया। इस अवसर पर कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के क्राइम पीआई गणेश न्हायदे, शरद पावशे, सांस्कृतिक महामंडल के अध्यक्ष मुकेश झा, चैनू जाधव, चंद्रसेन सोनावले, वंदना तांबे, शाहीन मुल्ला,वैशाली ठाकुर, कृष्णा पाटील, शिवदास गायकवाड़,प्रशांत अमिन सहित तमाम महिला व पुरूष शिवसेना पदाधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के सफल अयोजन में प्रशांत बोटे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए विधायक विश्वनाथ भोईर ने कहा कि हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे जी के पदचिन्हों पर चलते हुए समाजकार्य करने वाले महेश गायकवाड़ पार्टी के सच्चे कार्यकर्ता हैं। उनका समाजसेवा का कार्य देखकर कहा जा सकता है कि उन्हें कर्मों का फल अवश्य मिलेगा। शिवसेना पार्टी में महेश गायकवाड़ को जल्द ही एक महत्वपूर्ण पद मिलेगा, ऐसा विश्वास विश्वनाथ भोईर ने व्यक्त किया।

म्हाडा वसाहत विरार में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

पालघर (उत्तरशक्ति)। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर विरार की म्हाडा वसाहत क्रमांक 7 जे में पहली बार भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन की विशेष पहल पूर्व सैनिक और राष्ट्रवादी काँग्रेस सैनिक सेल पालघर जिलाध्यक्ष भरतराव राऊत ने की। कार्यक्रम में म्हाडा कॉलनी के रहिवासी, आरएसएस के स्वयंसेवक और समाजसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने देश के लिए बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अद्वितीय साहस, निष्ठा और देशभक्ति को याद किया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में भरतराव राऊत ने कहा, कारगिल युद्ध में विजय केवल हथियारों से नहीं, बल्कि निष्ठा, धैर्य और त्याग की भावना से प्राप्त हुई थी। हमें भी अपने जीवन में इन मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन सिर्फ श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि देशभक्ती की भावना को मजबूत करने का एक माध्यम है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, और सभी ने 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ देशभक्ति का संकल्प दोहराया।

शिक्षक सभा के महासचिव शरद कुमार सिंह का सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग में कार्यरत शिक्षकों की सबसे बड़ी यूनियन शिक्षक सभा के महासचिव शरद कुमार सिंह अगस्त माह से सेवानिवृत होने जा रहे हैं। 28 जुलाई को गोरेगांव पूर्व स्थित आईबी पटेल मनपा शाला सभागृह में सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अधीक्षक रामचंद्र पांडे ने की। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि विधायक संजय उपाध्याय ने शरद सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए उनके सुखमय और समृद्धिमय भावी जीवन की शुभकामनाएं दी। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व उपमहापौर दिलीप पटेल, वरिष्ठ नगरसेवक मदन उदित नारायण सिंह तथा समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने अपने वक्तव्य में शरद सिंह को अत्यंत विनम्र, शालीन और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित शिक्षक बताया। सम्मानित अतिथियों के रूप में उपस्थित उप शिक्षणाधिकारी कीर्तिवर्धन कुडवे, उपशिक्षणाधिकारी ममता राव, उपशिक्षणाधिकारी चंद्रकेश सिंह, उपशिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा, अधीक्षक निशा यादव, अधीक्षक यशवंत सिंह, प्रशासकीय अधिकारी पंकज पिंपले, पूर्व विभाग निरीक्षक कल्पना उंबरे, पूर्व प्रधानाचार्य राधेश्याम सिंह, पूर्व कनिष्ठ पर्यवेक्षक दुर्गा प्रसाद मिश्रा, राष्ट्रपति पुरस्कृत पूर्व मुख्याध्यापक राजेंद्र प्रसाद सिंह, शिक्षक सभा के अध्यक्ष राजेंद्र मोहिते, शिक्षक नेता नरेंद्र बहादुर सिंह, डॉ नागेश पांडे, शिक्षक नेता योगेंद्र सिंह उपस्थित रहे। समारोह में प्रमुख वक्ता के रूप में प्रभारी विभाग निरीक्षक प्रणाली शिंदे, पूर्व प्रवक्ता मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार राम सिंह, पूर्व मुख्याध्यापक ईश्वरदेव पाल, शिक्षक एवं गीतकार विवेक सिंह तथा विशेष आमंत्रित के रूप में एचएन सिंह डॉ इंदु प्रकाश तिवारी, रामराज पाल, केपी चौहान, अशोक सिंह, धैर्यशंकर सिंह, हरि मोहन मिश्रा, प्रिंसिपल महेश सिंह उपस्थित रहे। मानपत्र का वाचन काजल सिंह ने किया। देवेंद्र कुमार सिंह प्रस्ताविकी के रूप में शरद सिंह से जुड़ी अनेक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में पत्रकार राजेश उपाध्याय, सुरेंद्र पांडे ,अशोक सिंह, राजेंद्र प्रसाद सिंह, नरेंद्र सिंह, लव कुमार मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, डॉ विनय सिंह, अमर बहादुर सिंह, राजेश सिंह, अवधेश सिंह आदि का समावेश रहा। कार्यक्रम के आरंभ में सुप्रसिद्ध गायक राजेश सिंह ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रेखा राजेश सिंह के गीत तथा प्रिंसिपल बृजेश सिंह की कजरी को लोगों ने खूब पसंद किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया।

नागरी संरक्षण दल पालघर द्वारा सात दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। केंद्र सरकार व महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग (विशेष) के निदेर्शानुसार नागरी संरक्षण दल, तारापुर-पालघर द्वारा सात दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण शिविर के तीसरे बैच का उद्घाटन सोमवार 28 जुलाई 2025 को पालघर जिले के बोईसर शहर क्षेत्र अंतर्गत स्थित सारावली ग्राम पंचायत सभागृह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण शिविर दिनांक 28 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जायेगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पराग कुलकर्णी तथा विशेष अतिथि के तौर पर रोटरी क्लब अध्यक्ष रामनरायण गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपनियंत्रक काशीनाथ कुरकुटे ने की। इस अवसर पर बोईसर विधानसभा के विभागीय अधिकारी नरेश महस्के, पालघर विधानसभा के विभागीय अधिकारी निलेश वझे तथा मानसेवी निदेशक नरेंद्र सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण शिविर

में विभिन्न क्षेत्रों से आए मास्टर प्रशिक्षक भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन तथा नागरिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान कर उन्हें समाज सेवा हेतु तैयार करना है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नागरी संरक्षण दल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण की आवश्यकता और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस मौके पर आयोजकों की ओर से सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों तथा सहभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

चीन को व्यापार में मात देने के लिए कारीगरों और जौहरियों को बनाना होगा सशक्त : राम शिंदे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्वेल ट्रेंड्ज रत्न एवं आभूषण शो (जेटीजीजेएस) के 20वें संस्करण का उद्घाटन रविवार को मुंबई के होटल सहारा स्टार में महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने किया। रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के लिए भारत की सबसे महत्वपूर्ण बी2बी प्रदर्शनियों में से एक, यह शो उद्योग के भीतर व्यापार, नवाचार और कारीगरों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के दो दशकों का प्रतीक है। अपने संबोधन में राम शिंदे ने चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत द्वारा अपने घरेलू आभूषण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की रणनीतिक आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, कि अगर भारत सचमुच चीन से मुकाबला करना चाहता है, तो हमें अपने 15 लाख कारीगरों और 3 लाख जौहरियों का न सिर्फ भावना से, बल्कि नीतिगत रूप से भी समर्थन करना होगा। सरकार को जमीन, मशीनरी, रियायती बिजली और करों में राहत प्रदान करनी होगी। हमारे कारीगरों और उनके परिवारों को बीमा, सामाजिक सुरक्षा और आधुनिक उपकरणों की जरूरत है। चीन इसलिए नहीं जीत रहा है कि वह बेहतर है, बल्कि इसलिए जीत रहा है क्योंकि उसे बेहतर समर्थन मिल रहा है। हम दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं, लेकिन तभी जब हम अपने लोगों का समर्थन करेंगे। उद्घाटन समारोह में भारतीय आभूषण जगत के तमाम दिग्गज उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में ज्वेल मेकर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शाह, अखिल भारतीय रत्न एवं

आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष राजेश रोकड़े, झवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हितेश (सुभाष) जैन, वामन हरि पेठे ज्वैलर्स के निदेशक आशीष पेठे के साथ ही देश भर के कई अन्य प्रसिद्ध निमार्ता, निर्यातक, खुदरा विक्रेता और कारीगर शामिल थे। गौरतलब हो कि ज्वेल ट्रेंड्ज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गोविंद वर्मा के नेतृत्व में आयोजित, जेटीजीजेएस पिछले कुछ वर्षों में एक शक्तिशाली मंच के रूप में विकसित हुआ है, जो आभूषण मूल्य श्रृंखला के हर क्षेत्र को एकजुट करता है। गोविंद वर्मा ने कहा, कि जेटीजीजेएस एक प्रदर्शनी से कहीं अधिक है, यह भारतीय आभूषणों के उत्थान का एक आंदोलन है। हमें अपने कारीगरों की पहचान, प्रशिक्षण और सुरक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए। वैश्विक बाजार भारत को अपनाने के लिए तैयार है, लेकिन हमें इसे पूरा करने के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है। इस विजन को आगे बढ़ाते हुए ज्वेल मेकर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शाह ने कहा, कि भारतीय आभूषण उपभोक्ता तेजी से विकसित हो रहे हैं। युवा खरीदार अब मिनिमल, फ्यूजन और लैब-ग्रो डिजाइन पसंद करते हैं। डिजिटल कॉमर्स टियर 2 और टियर 3 शहरों तक अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। अगर हम वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनना चाहते हैं, तो हमें इस मांग को नवाचार, पारदर्शिता और कुशल जनशक्ति के साथ पूरा करना होगा।

बता दें कि इस वर्ष के शो में 200 से ज्यादा प्रदर्शक शामिल हैं, जो सोने, हीरे, जड़ाऊ, मंदिर, प्राचीन और फैशन आभूषणों सहित विविध प्रकार के आभूषण प्रदर्शित करेंगे। इसके अलावा, ढीले रत्न, हीरे, साथ ही नवीनतम मशीनरी, पैकेजिंग और आभूषण निर्माण तकनीक भी प्रदर्शित की जाएगी। इस शो में 5,000 से ज्यादा व्यापारिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है, जिनमें शीर्ष खुदरा विक्रेता और अंतर्राष्ट्रीय सोर्सिंग एजेंट शामिल हैं, जो मुंबई को भारत की आभूषण राजधानी के रूप में स्थापित करेगा। ज्वेल ट्रेंड्ज रत्न एवं आभूषण शो 2025, होटल सहारा स्टार में 30 जुलाई 2025 तक व्यापारिक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

संस्कार सामाजिक संस्था द्वारा मेधावी छात्रों का भव्य सत्कार समारोह में एकत्र हुये समाज के गणमान्य व्यक्ति

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। डोंबीवली के डीएनसी रोड रामनगर स्थित लेवा भवन हाल में संस्कार सामाजिक संस्था द्वारा मेधावी छात्रों का भव्य सत्कार व विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास व गीत संगीत के साथ संपन्न किया गया । बतादें कि संस्कार सामाजिक संस्था के अध्यक्ष चौधरी गया प्रसाद के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में दसवीं, बारहवीं, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, एवं उच्च शिक्षा में विशेष अंक से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान अतिथियों के हाथों ट्राफी, मेडल,सम्मान-पत्र व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में

यादव समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष एस बी यादव , विश्व यादव संघ के अध्यक्ष मोतीलाल यादव, वासुदेव फाउंडेशन के अध्यक्ष अरविंद यादव , पूर्वांचल विकास परिवार के अध्यक्ष डा. दगेश यादव,ठाणे जिला संगठक शिवसेना शशिकांत यादव, समवर्गीय यदुकुल संगम के अध्यक्ष राजाराम यादव (विद्यार्थी) , समाजसेविका डा. ऊषा यादव , कवित्री व लेखिका लक्ष्मी यादव, वीर अहिरानी ट्रस्ट की महासचिव पूनम यादव , जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष मगेश यादव, सुप्रीम कोर्ट सदस्य एडवोकेट जयराम यादव , कांग्रेस नेता राकेश यादव, भाजपा नेता पी डी यादव, कामगार नेता झुल्लुर यादव आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट आर बी यादव ने किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष चौधरी गयाप्रसाद यादव , सभाजीत यादव , गुलाब यादव , संतोष यादव ,एम बी यादव, जामवंत यादव, डा. आर के यादव आदि लोगों का अथक प्रयास रहा है ।

कांवड़ियों की सेवा में जुटी हिंदू जनजागृति संस्था, पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। सावन माह की शिवरात्रि जैसे-जैसे समीप आ रही है, वैसे-वैसे कांवड़ियों की आस्था का ज्वार भी चरम पर पहुंचता जा रहा है। पालघर जिले के बोईसर क्षेत्र में सूर्या नदी से पवित्र जल लेकर लौट रहे कांवड़ियों की टोलियों से पूरा वातावरण ₹बोल बमऽ और ₹हर-हर महादेवऽ के जयघोष से भक्तिमय हो गया है। कांवड़ यात्रियों की सेवा को प्राथमिकता देते हुए बोईसर पूर्व के बेटेगांव स्थित रुपरजत पार्क में हिंदू जनजागृति संस्था द्वारा विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा शिविर में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया, साथ ही

चाय, शुद्ध जल, बिस्किट, फल एवं विश्राम की समुचित व्यवस्था भी की गई थी।

सेवा शिविर में संस्था के कार्यकताओं ने पूरे मनोयोग से कांवड़ियों की सेवा की। इस अवसर पर संस्था की संगठन मंत्री तुलसी छीपा ने बताया कि ₹कांवड़ियों की सेवा हमारे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जन आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का उत्सव है। हम कई वर्षों से यहां से गुजरने वाली हर कांवड़ यात्रा की निःस्वार्थ सेवा करते आ रहे हैं। शिविर में संस्था प्रमुख रवी सिंह, अमित बाबू, फाल्गुनी पिंपले सहित बड़ी संख्या में धर्मसेवक मौजूद रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पीली नदी हुई पुनर्जीवित, विधायक और जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों ने जताया आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र की जीवन रेखा मानी जाने वाली पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने के उपरान्त विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र ने जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र के साथ रविवार सायं पीली नदी का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान देवरिया गांव स्थित मई पुल पर पहुंचे, जहां उन्होंने 200 वर्ष पुराने शिव मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का अवलोकन किया और शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। ग्रामीणों ने अतिथिगण का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि आपने इस नदी को नया जीवन देकर हम सबका दिल जीत लिया है। निरीक्षण के बाद विधायक और जिलाधिकारी ने ग्रामीणों में प्रसाद वितरित किया। विधायक बदलापुर ने कहा कि प्रधानमत्रीजी और मुख्यमंत्री ने नदियों का संरक्षित करने के लिए अभियान चलाया है। उन्होने आह्वान किया है कि प्रत्येक जनपद में एक नदी संरक्षित की जाए। जिसके क्रम में पीली नदी को चिन्हित करते हुए जनसहभागिता के आधार पर पुनर्जीवित किया गया है। पीली नदी को संरक्षित और पुनर्जीवित करने के लिए गत 11 जून 2025 को जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य योजना तैयार कराई। जिलाधिकारी के द्वारा कई बार निरीक्षण भी किया गया। उनके कुशल निर्देशन में करीब 25 वर्षों से सूख चुकी पीली नदी अब फिर से प्रवाहित हो रही है। विधायक ने कहा कि नदी के संरक्षित हो जाने से पशु पक्षी मनुष्य सबकों लाभ प्राप्त होगा। इस नदी के किनारे लगभग 51 हजार पौधे लगाये जाने का भी लक्ष्य रखा गया है। नदी के किनारे मन्दिर के जीर्णोद्धार का कार्य जिलाधिकारी के कुशल निर्देशन में कराया गया है, जिसके लिए उन्हे अनवरत समय तक याद किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के द्वारा एक जनपद एक नदी के जीर्णोद्वार का लक्ष्य रखा गया था जिसके क्रम में पीली नदी का चयन किया गया, क्योकि ये क्षेत्र डार्क जोन में आता है। अधिकारियों के साथ कई बैठके आयोजित कर रणनीति तैयार किया गया।जिलाधिकारी के नेतृत्व में और विधायक के संरक्षण में सभी अधिकारियों ने सराहनीय कार्य किया गया। पीली नदी के पुनर्जीवन को लेकर क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। ग्रामीणों का मानना है कि यह कार्य ऐतिहासिक पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी योगिता सिंह, स्थानीय ग्रामीणों के साथ प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

अफरा-तफरी अव्यवस्थाओं के बीच शुरू हुई आईटीआई की परीक्षा

- पीने के पानी के लिए परेशान रहे परीक्षार्थी
- परीक्षा के दौरान खराब हो गए कई सिस्टम
- सुविधा शुल्क पर चहेतों को लगाए गए थे साल्वर
- सीसीटीवी कैमरे का मोड किया गया चेंज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर मे अवस्थाओं के बीच आईटीआई की ऑनलाइन सीबीटी मोड की परीक्षाये अफरा तफरी दुर्व्यवस्थाओं के बीच शुरू हो गई। मौके पर कई सिस्टम जवाब दे गए थे और चहेतो को सुविधा शुल्क लेकर उन्हें साल्वर भी उपलब्ध कराने के आरोप परिक्षार्थियो ने लगाए। यहां तो सीसीटीवी कैमरा का भी मोड चेंज करने की मामले सामने आए हैं। जिले के 122 आईटीआई कॉलेजो के परीक्षार्थियों का दो परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। जिसमें राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई सिद्दीकपुर में पहले केंद्र पर तीन पालियों में आईटीआई की सीबीटी मोड की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से शुरू हुई। इस दौरान बारिश में भीगकर काफी छात्र परीक्षा केंद्र पर पहुंचे और परीक्षार्थियों की काफी संख्या देखकर आईटीआई परिसर का चेकिंग अभियान धरा का धरा रह गया। सभी परीक्षार्थी सारे नियम तोड़ते हुए अपने-अपने परीक्षा कक्ष व कम्प्यूटर सिस्टम पर पहुंच गए। परीक्षा शुरू होने से पहले कई लोगों को कहा गया कि परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हो रहे हैं कोई अनुचित साधन का प्रयोग ना करें। जो भी सुविधा शुल्क कॉलेज के माध्यम से दिए हैं उन्हें समय से परीक्षा सुविधा प्रदान की जाएंगी ।कक्ष निरीक्षक के रूप में चहेतो के पीछे साल्वर खडे होकर उनके स्क्रीन पर सवाल के जवाब चलते फिरते बोले गये। हालांकि अफरा तफरी और दुर्व्यवस्थाओं के बीच परीक्षाए शुरू हुई। पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी जिसके लिए परीक्षार्थी तड़पते रहे और निकाल कर सीधे दुकानों से पानी खरीद कर पिए। गंदगी भी केंद्र पर भरमार था। परीक्षार्थियों के लिए 200 से अधिक सिस्टम लगाए गए थे। कुछ सिस्टम

रुक-रुक कर ट्रिप कर जा रहे थे। लेकिन एक्स्ट्रा सिस्टम न होने से परीक्षार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि जैसे तैसे पहली दूसरी तीसरी पाली की परीक्षाएं संपन्न हुई। कई आईटीआई कॉलेजो से आए परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि यहां चहेतों के लिए अलग सुविधा दी जा रही हैं या जो कॉलेज छात्रों से पर पेपर के हिसाब से पैसा जमा कराया उन्हें भी सुविधा दी जा रही। जिन्होंने नहीं जमा कराया, उन्हें कोई सुविधा नहीं दी जा रही है और उन्हें दूसरे सिस्टम पर बैठाया जा रहा है। हालांकि इस बारे में आईटीआई के जिम्मेदारों से पूछने पर वह जवाब देने से कतरा गए। परिसर में जगह न होने पर काफी छात्र बाहर ही खड़े भीगते रहे। वहीं दूसरे परीक्षा केंद्र औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उसरहटा शाहगंज में भी व्यवस्थाओं की शिकायते सामने आई।

मेडिकल कालेज जौनपुर में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्य प्रो० डा. रूचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा. ए०ए०जाफरी के दिशा निर्देश में चिकित्सा अधीक्षक, डा० विनोद कुमार एवं मुदित चौहान विभागाध्यक्ष, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के द्वारा आज 28 जुलाई, 2025 को विश्व हिपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अस्पताल भवन के ओ०पी०डी में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में डा० रूचिरा सेठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सभी विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर एकत्र हुए है- एक ऐसा दिन जो हमें यकृत (लीवर) से जुड़ी गंभीर बीमारियों, विशेष रूप से हेपेटाइटिस बी और सी, के प्रति जागरूकता और सुरक्षा के संकल्प की याद दिलाता है। हेपेटाइटिस बी और सी दोनों ही वायरल संक्रमण हैं जो यकृत को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचा सकते हैं। यह रोग रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है। खासकर यदि वे संक्रमण लंबे समय तक बना रहे तो यह लिवर सिरोसिस, फेल्योर, और लिवर कैंसर का रूप भी ले सकता है। लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है। यह बीमारी रोकथाम योग्य है, इलाज योग्य है, और सबसे जरूरी बात- जागरूकता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा. ए०ए० जाफरी ने विश्व हैपेटाइटिस दिवस पर लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि हेपेटाइटिस बी के लिए सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है यह टीकरण बच्चों को जन्म के तुरंत बाद और किशोरो/वयस्कों को भी दिया जा सकता है। जबकि हेपेटाइटिस सी के लिए अभी कोई वैक्सीन नहीं है, परंतु इसका इलाज संभव है बशर्ते यह समय पर पकड़ में आ जाए। इसलिए मैं सभी से आग्रह करता हूँ।

1. सुरक्षित रक्त जांच और स्टेराइल सुइयों का उपयोग सुनिश्चित करें। 2. टीकाकरण समय पर करवाएं, खासकर नवजातों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए। 2. अस्वछ जीवनशैली, अनावश्यक दवा का सेवन, या नशे की आदतों से दूर रहें। 4. सबसे महत्वपूर्ण नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करते रहें ।यह दिन सिर्फ जानकारी का नहीं, जिम्मेदारी का दिन है। आप सभी से अनुरोध है कि न केवल स्वयं जागरूक बने, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इन जानकारियों से अवगत कराएं। यही हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाने का रास्ता है। अंत में कार्यक्रम के आयोजकों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और आप सभी का धन्यवाद करता हूँ कि आप इस आवश्यक विषय पर गंभीरता से सहभागी बने रहे है।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ.विनोद कुमार ने बताया कि हमारे अस्पताल में हेपेटाटिस से संबंधित निःशुल्क जांच शिविर, नवजात शिशुओं, स्वास्थ्यकर्मियों और जोखिन में आने वाले सभी व्यक्तियों के लिए हेपेटाइटिस बी का टीका उपलब्ध है। विशेष रूप से, मातृत्व वार्ड में पैदा होने वाले शिशुओं को टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। रक्त जांच एवं सुरक्षित

रक्त आपूर्ति उपचार एवं परामर्श सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, दवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ, जांचो की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। हेपेटाइटिस से लड़ने के लिए हमें केवल अस्पताल की नहीं समाज की भी भूमिका चाहिए। सावधानी समय पर की जाय और सतर्कता ही इसका सबसे बढ़ा इलाज है। आइए हम सब मिलकर इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए एकजुट हो। कार्यक्रम के आयोजक डा० मुदित चौहान* ने कहा कि हेपेटाइटिस बी केवल एक रोग नहीं, बल्कि एक मौन महामारी है, जो हमारे गांव कस्बों और शहरों में धीरे-धीरे अपने पांव पसार रही है। इसका सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह लंबे समय तक बिना लक्षणों के शरीर में सक्रिय रह सकता है, और जब तक इसका पता चलता है तब तक यह लीवर को गंभीर क्षति पहुँचा चुका होता है। डॉ. जितेन्द्र कुमार एवं डॉ० आशुतोष सिंह द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय के लेक्चर हॉल में सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. जितेन्द्र ने हेपेटाइटिस के बारे में बताया कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है जो लीवर (यकृत) को प्रभावित करता है। इसके कई प्रकार है A,B,C,D और E जिनमें से हेपेटाइटिस बी और सी सबसे अधिक गंभीर माने जाते हैं क्योंकि ये दीर्घकालिक (क्रॉनिक) संकमण में बदल सकते हैं। हेपेटाइटिस बी का उपचार प्रारंभिक अवस्था में आमतौर पर किसी विशेष दवा की आवश्यकता नहीं होती। मरीज को आराम पोषण युक्त भोजन और लीवर सुरक्षित दवाओं के साथ मनीटर किया जाता है। यदि संक्रमण कई महीनों से अधिक बना रहे तो उपचार आवश्यक हो जाता है। उपयोग की जाने वाली मुख्य दवाएं है Tenofovir, Entecavir, Lamivudine (कम इस्तेमाल होती है। प्रतिरोधकता के कारण ये दवाएं वायरस की वृद्धि को रोकती है। लीवर डैमेज को कम करती हैं और सिरोसिस व कैंसर की संभावना को घटाती है।

आशुतोष सिंह ने हेपेटाइटिस बी और सी के डायग्नोसित यानि सही जांच व पहचान की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। HBeAg टेस्टः यह सबसे प्राथमिक और आवश्यक टेस्ट है। अगर या पॉजिटिव आता है तो व्यक्ति हेपेटाइटिस बी से संकनित माना जाता है। Anti-HBs टेस्टः यह एंटीबॉडी की उपस्थिति बताता है और दशार्ता है कि व्यक्ति को टीककारण पूर्व संक्रमण से प्रतिरक्षा है या नहीं। HBeAg और Anti-HBs: यह टेस्ट वायरस की सक्रियता और संक्रामकता को दशार्ते है। HBV DNA टेस्टः यह टेस्ट लीवर की स्थिति का मूल्यांकन करता है, विशेष रूप से SGOT, SGPT बिलीरुबिन आदि का स्तर। Ultrasound/Fibroscan: लीवर में सूजन, फैटी लीवर या सिरोसिस की स्थिति को समझने के लिए किया जाता है तथा उनके द्वारा हेपेटाइटिस सी के जांचो के बारे में भी बताया गया ।कार्यक्रम के अंत में उप प्रधानाचार्य, प्रोफेसर डॉ. आशीष यादव ने कहा कि हेपेटाइटिस जागरूकता कार्यक्रम में आप सभी की सक्रिय भागीदारी, उत्साह और जागरूकता ने इस आयोजन को सफल बनाया। मैं इस अवसर पर, इस मंच से, आप सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ और अभिनंदन करता हूँ। विशेष रूप से हमारे सम्माननीय चिकित्सकों द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जानकारियाँ, छात्रों की सहभागिता, और सभी सहयोगियों का समर्पण प्रशंसनीय है। आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि स्वस्थ जीवन ही सच्ची समृद्धि है। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा डॉ चंद्रभान, डा० जितेन्द्र, डा० आदर्श, अचल सिंह, डा० नवीन सिंह, डा0पूजा पाठक, डा0 विनोद वर्मा, डा0 हमजा अंशारी, डॉ. तुमुन नन्दन, डॉ. स्वेता सिंह, डा० संजीव यादव, डा0 पूजा पाठक, डॉ अनिल, डा० पंकज इत्यादि चिकित्सक एवं छात्र/छात्रायें व मरीज तथा उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

राज्य कर्मचारियों का विभिन्न खेलों का चयन/परीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीडा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के सौजन्य से जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में राज्य कर्मचारियों के कल्याणार्थ खेल के विकास तथा शारीरिक संवर्धन हेतु सरकारी कर्मचारियों की खेल की सुविधा के लिए राज्य कर्मचारी कल्याण निधि से जिला/मण्डल/राज्य स्तरीय चयन/ट्रायल्स का आयोजन विभिन्न खेलों-टेनिस, वालीबाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिन्टन, टेबुल-टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एण्ड बेस्टफिजिक, एथलेटिक्स, फुटबाल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावरलिफ्टिंग, क्रिकेट व हॉकी में किया जायेगा।समस्त जनपद स्तरीय चयन/ट्रायल्स का आयोजन इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में 08 अगस्त, 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से किया जायेगा। जनपदीय चयन/ट्रायल्स में चयनित खिलाड़ी मण्डलीय चयन/ट्रायल्स जो दिनांक 12-13 अगस्त, 2025 को वाराणसी में होगा, में प्रतिभाग करेंगे। उक्त चयन/ट्रायल्स में वही खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे जो अपने कार्यालयाध्यक्ष अथवा विभागाध्यक्ष से चयन/ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति पत्र के साथ ही नाम, आई0डी0 नं0, जन्म तिथि, मो0 नं0, विभाग का नाम जहाँ सेवारत है, सेवा में आने की तिथि, वर्तमान तैनाती तिथि, सेवा का प्रकार नियमित/दैनिक भोगी एवं विभाग पूर्ण सरकारी विभाग है अथवा आटोनामस आर्गनाइजेशन का प्रारूप भरकर साथ लायेंगे। राज्य स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त राज्य स्तरीय टीम का गठन किया जायेगा। चयनित टीम अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। जिला/मण्डल/ राज्य स्तरीय चयन/ट्रायल्स में भाग लेने हेतु सरकारी कर्मचारी को ड्यूटी पर माना जायेगा। इस हेतु यात्रा-भत्ता आदि जैसी स्थिति हो, का भुगतान उनके विभाग द्वारा किया जायेगा। भारत सरकार की गाईडलाइन के अनुसार सिविल सर्विसेज में आटोनामस बाड़ी जैसे परिषद/बोर्ड/ नगर निगम/पंचायत/पुलिस विभाग के कर्मचारी (अध्यापक/सहायक अध्यापक आदि) भाग नहीं लेंगे। सिविल सर्विसेज चयन/ट्रायल्स में पूर्ण रूप से सरकारी कर्मचारी ही भाग लेंगे।

दशाश्वमेध पुलिस टीम की स्नेचरों पर बड़ी कार्यवाही

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला व पुलिस टीम नें भीड़ का हिस्सा बनकर मोबाइल, पर्स, सोने की चेन, काटकर चोरी करने वाले गिरोह को माल के साथ जिसका अनुमानित कीमत 10 लाख रुपया के साथ कुल 16 लोगो को किया गिरफ्तार। आरोपियों से 1 लाख 400 सौ नगद, सोने की चेन 06.चांदी का पायल 02 जोड़ी, चोरी की 03.मोबाइल फोन बिना सिम कार्ड का, 06.चेन कटर बरामद। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला, उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार त्रिपाठी, क्राइम टीम प्रभारी, उपनिरीक्षक विजय कुमार चौधरी, उपनिरीक्षक अनुजमणि तिवारी, कांस्टेबल देवेंद्र यादव, कांस्टेबल चंद्र प्रकाश यादव, कांस्टेबल अवधेश कुमार, कांस्टेबल देवेंद्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल राजन सिंह, महिला कांस्टेबल दिव्या सिंह, महिला कांस्टेबल आरती सरोज, महिला कांस्टेबल रितांशी सिंह आदि शामिल रही। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी क्राइम/एडीसीपी काशी द्वारा 25000 हजार रुपया नगद पुरस्कृत किया।

पीएम का वाराणसी आगमन, तैयारी परखने आएंगे सीएम योगी, अफसरों संग करेंगे बैठक

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगामी दो अगस्त को वाराणसी दौरा प्रस्तावित है। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। कार्यक्रम स्थल पर हेलिपैड निर्माण के साथ ही जर्मन हैंगर आदि लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएम के आगमन की तैयारी परखने के लिए सोमवार (28 अगस्त) को वाराणसी आएंगे। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर तैयारी देखेंगे। साथ ही अधिकारियों संग मीटिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे सकते हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को वाराणसी पहुंचेंगे। वे एयरपोर्ट से जनसभा स्थल जा सकते हैं। वहां कार्यक्रम की एक-एक तैयारी देखेंगे। इसके बाद सर्किट हाउस में अधिकारियों संग मीटिंग कर तैयारियों की समीक्षा करने के साथ ही जरूरी दिशा-निर्देश भी देंगे। सीएम सावन सोमवार को काशी आ रहे हैं। ऐसे में श्री काशी विश्वनाथ और काशी कोतवाल कालभैरव का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लेंगे। सेवापुरी ब्लॉक में प्रधानमंत्री की जनसभा होगी। वे जनता को संबोधित करने के साथ ही अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को करोड़ों की सौगात भी देंगे। ऐसे में प्रशासनिक अमला परियोजनाओं की सूची तैयार कराने में जुटा है। प्रधानमंत्री के हाथों परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। जनसभा में लगभग 80 हजार लोगों के जुटाने की तैयारी है। इसको लेकर बीजेपी की ओर से जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान लोगों को आमंत्रण पत्र दिए जा रहे हैं।

पत्रकार तबरेज नियाजी के 9 साल के बेटे आरिश ने किया कुरान मुकम्मल

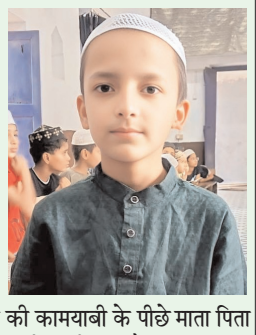

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मियांपुर मोहल्ले की सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मदरसे के छात्र आरिश सिद्दीकी 9 साल की उम्र इस्लाम धर्म की किताब कुरान जो की अरबी भाषा में उसे पढ़कर मुकम्मल किया जिसके लिए मौलाना मोहम्मद शाफे का आरिश के पिता ने कुरान को मुकम्मल कराने पर शुक्रिया अदा किया इस खुशी में मदरसे के बच्चों को मिठाई खिलाई गयी संचालक बख्तियार आलम ने कहा कि बच्चे की कामयाबी के पीछे माता पिता और मौलाना बधाई के पात्र है। मदरसे की तरफ से बच्चे की हौसला अफजाई कुरान मुकम्मल के लिए सम्मान और प्रस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

पिकअप की टक्कर से स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर-आजमगढ़ हाईवे पर कबिरुद्दीनपुर गांव के पास पिकअप के टक्कर से एक स्कूटी सवार घायल हो गया। स्थानीय जनों के मदत से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के सोहौली गांव के महेंद्र प्रताप सोमवार को सुबह अपनी स्कूटी से जौनपुर शहर के तरफ आ रहे थे। सुबह साढ़े दस बजे के करीब जैसे ही महेंद्र प्रताप जौनपुर- आजमगढ़ हाईवे पर गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबिरुद्दीनपुर गांव के पास पहुचे तभी विपरीत दिशा से आ रही एक अज्ञात पिकअप ने टक्कर मार दिया। टक्कर से स्कूटी सवार महेंद्र प्रताप (40) सड़क पर दूर जा गिरे और घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी चोरसंड भिजवाया। सीएचसी के चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। महेंद्र प्रताप के सिर में और कंधे पर ज्यादा चोट आई है।

पिपरी स्थित रिहंद बांध का जलस्तर 866.8 फीट तक पहुंचा

रेणुकूट,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। पिपरी स्थित रिहंद बांध एशिया के विशालतम बांधों में एक रिहंद बांध के एरिया में हो रही अच्छी खासी बरसात की वजह से बांध का जलस्तर रविवार की सुबह तक 866.8 फीट तक पहुंच गया है। जिससे संभावना व्यक्त की जा रही है की आने वाले एक दो दिनों में बांध का फाटक खुल सकता है। अगर जुलाई माह में बांध के फाटक खोले गए तो यह 24 वर्ष बाद बांध के फाटक जुलाई 2025 में खुलेगा अधिशासी अभियंता शशिकांत राय ने बताया कि वर्ष 2001 में 25 जुलाई को बांध के फाटक खोल दिए गए थे।उसके बाद 24 वर्षों के बाद जुलाई 2025 मे खुलने वाला है पिछले 24 वर्षों में इस वर्ष जुलाई 2025 मे जलस्तर ईतनी तेजी से बड रही है की फाटक खोलने पड़ेंगे। इस बार लगातार हो रही बारिश की वजह से बांध का जलस्तर रविवार की सुबह तक 866.8 फीट पर पहुंच गया है।लगभग तीन फीट पानी और बड़ा की फाटक खुलने मे देर नहीं होगा पिपरी रिहंद में लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए डाउन एरिया में बसने वाले रहवासियों के लिए सुरक्षा के दृष्टि से सचेत करते हुए रिहंद प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अवगत कराया है की पिपरी रिहंद

बांध का फाटक कभी भी खोला जा सकता है फाटक खुलने से ओबरा डैम सोन नदी में जलस्तर बढ़ने से प्रभावित चोपन, चाची कला, खोखा, चंदना, पिपरा, परती, पचाडुमार, बिजडीह, खैरवा, क्धवन, डुमरसोटा, हरिहरपुर, सोनपुरवा, बलियारी,बरवाडी, बुनियादबीघा, ढेरका, जमुवा, पतीला, सेमौरा, सुडीपुर, नारायणपुर, चौका, बलियारी, बेलहट, पांसा, रेनोदेवा, काबरा, सजवान, संपुरवा, देवरी, परछा, पादुका, तिलोखर, बसुहारी, नौहटा, उली, बेलौजा, तिलौथू, रोहतास, इंद्रपुरी आदि यूपी, झारखंड, बिहार सहित हजारों गांव चपेट में आ सकता है।

ट्यूबवेल पर सोए मजदूर का मिला खून से लथपथ शव

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। रौनापार थाना क्षेत्र के रचनपट्टी बालाजी गांव में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब खेत में बने ट्यूबवेल पर एक मजदूर का खून से लथपथ शव मिला। मृतक की पहचान विनय प्रजापति (निवासी हरिपारा, थाना दोहरीघाट, जनपद मऊ) के रूप में हुई है, जो वर्षों से मोती चंद पटेल के घर मजदूरी करता था। रविवार की रात वह रोज की तरह खाना खाकर ट्यूबवेल पर सोने चला गया था। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने उसका शव देखा, उसका सिर बुरी तरह कुचला हुआ था और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे। सूचना मिलते ही रौनापार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। थोड़ी ही देर में सीओ सगड़ी और एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया।चिराग जैन ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस, क्षेत्राधिकारी और हमारी टीम ने घटनास्थल की जांच की। सर्विलांस व फॉरेंसिक टीम साक्ष्य संकलन कर रही है। मजदूर की ईंट से प्रहार कर हत्या की गई है। दो लोगों पर हत्या की आशंका है, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पत्रकार मुन्ना त्रिपाठी को पत्रकारिता में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली(उत्तरशक्ति)। देश के जाने माने हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार मंगलेश्वर त्रिपाठी, उर्फ मुन्ना त्रिपाठी को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इटली के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ उवठएड द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर के गुलमोहर ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान आयोजित हुआ, जिसमें देश-विदेश के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया।कार्यक्रम में रूस दूतावास की अधिकारी एलिना बर्मन, श्रीलंका दूतावास के मंत्री काउंसलर लक्ष्मेंद्र गेशन और नाइजीरियन दूतावास के कंसलटिंग डायरेक्टर कांगूना फिलिप ने संयुक्त रूप से मुन्ना त्रिपाठी को डॉक्टरेट का प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर चार्ल्स वाल्टर सोसाइटी फॉर इन्नोवेशन एंड रिसर्च के निदेशक डॉ. अभिषेक पांडे, मीडिया टुडे के निदेशक अजय प्रताप सिंह और रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल और नागालैंड सरकार के पूर्व मंत्री डोसे सेमा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जमैका के उच्चायुक्त जेसन हॉल ने की, जिन्होंने त्रिपाठी के पत्रकारिता में योगदान की सराहना की।

इस समारोह में कई अन्य विशिष्ट अतिथि भी शामिल हुए, जिनमें पूर्व आईएएस अधिकारी और शहडोल के पूर्व कमिश्नर श्री राजीव शर्मा, गृह मंत्रालय के उप सचिव श्री सीबी तिवारी, इंदौर के अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त प्रमोद सोंकर, इंदौर सेंट्रल जेल की अधीक्षक सुश्री अलका सोंकर, कैडिला फार्मा लिमिटेड के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. पीके राजपूत, इंदौर/ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज के समूह निदेशक डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी, और मीडिया टुडे व अखंड राष्ट्र मध्यप्रदेश के स्थानीय संपादक अजय प्रताप सिंह शामिल थे। इसके अलावा, इंदौर/ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. नेहा शर्मा ने भी अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई।

इस मौके कर मुन्ना त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मान उनके लिए न केवल गर्व का विषय है, बल्कि पत्रकारिता के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाने वाला है। उन्होंने अपने सहयोगियों, परिवार और पाठकों का आभार व्यक्त किया, जिनके समर्थन से वे इस मुकाम तक पहुंचे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने त्रिपाठी की निष्पक्ष और साहसी पत्रकारिता की प्रशंसा की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। यह आयोजन पत्रकारिता के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए त्रिपाठी के प्रयासों का उत्सव था। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कृपा शंकर सिंह व विक्रम प्रताप सिंह ने की स्नेहा दुबे पंडित से मुलाकात

वसई रोड। वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह और मीरा-भायंदर नगर निगम के पूर्व पार्षद विक्रम प्रताप सिंह ने आज वसई में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के विधायक जनसंपर्क कार्यालय में सद्भावना भेंट की। इस भेंट ने वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित को जनसेवा के प्रति नया उत्साह दिया है। कृपाशंकर सिंह के अनुभव, मार्गदर्शन और शुभकामनाओं से मेरे कार्य को और बल मिलेगा। उनकी उपस्थिति में वसई शहर मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर,महामंत्री दीपक शर्मा,अर्जुन इंगोले और पदाधिकारी,कार्यकताओं में हर्ष का वातावरण बना। मुझे उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत करते हुए गर्व और प्रसन्नता का अनुभव हुआ।

तीसरी सोमवारी पर उमड़ी रिकॉर्ड तोड़ भीड़, हर हर महादेव से गूंजा हर कोना

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर काशी में आस्था की बाढ़ उमड़ पड़ी। बाबा विश्वनाथ के धाम में श्रद्धा का सागर लहराया। सोमवार तड़के सुबह 4:06 बजे जब बाबा का पट आम भक्तों के लिए खुला, तभी से हजारों कांवरिए और शिवभक्त हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष के साथ लंबी कतारों में जलार्पण के लिए आगे बढ़ने लगे। बाबा के दरबार में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। गोदौलिया, मैदागिन, चौक और लक्सा से लेकर विश्वनाथ धाम तक पूरा मार्ग शिवभक्तों की भीड़ से अटा रहा। पूरा क्षेत्र भक्ति, भजन और बोल बम के नारों से गूंज उठा। प्रातः आरती के उपरांत जब श्रद्धालुओं की कतारें मंदिर के दोनों ओर पंक्तिबद्ध होकर बढ़ीं, तब जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने धाम के बाहर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। यह दृश्य शिवभक्ति और सेवा भाव का अद्वितीय संगम बन गया। इस दौरान बाबा विश्वनाथ के अर्धनारीश्वर स्वरूप में दर्शन दिए. अर्धनारीश्वर स्वरूप का अर्थ यह है कि आधा पुरुष और आधी स्त्री. महादेव का अर्धनारीश्वर स्वरूप पुरुष और स्त्री की समानता को दशार्ता है. अर्धनारीश्वर स्वरूप में बाबा के अद्भुत श्रृंगार की झांकी देख भक्त भी निहाल हो गए. मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि श्रावण के हर सोमवार को दर्शनार्थियों की भीड़ स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी को असुविधा न हो और दर्शन व्यवस्था पूरी तरह सुचारु बनी रहे। बाबा दरबार में दिनभर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र अर्पण और अन्य शिवपूजन की रस्में श्रद्धा भाव से संपन्न होती रहीं।

काशी में आए दूर-दराज के श्रद्धालु दर्शन पाकर भावविभोर नजर आए। श्रद्धालुओं का कहना है कि हर साल श्रावण में बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। इस बार व्यवस्था और सेवा देखकर मन प्रसन्न हो गया। काशी की पावन धरती पर आस्था, प्रशासन और व्यवस्था का यह त्रिवेणी संगम श्रद्धालुओं के मन में बाबा विश्वनाथ के प्रति और भी गहन श्रद्धा भर गया। अर्धनारीश्वर स्वरूप से यह संकेत मिलते हैं कि पुरुष और स्त्री दोनों ही एक ही सिक्के के दो पहलु हैं. यह दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे हैं. सावन के तीसरे सोमवार को बाबा विश्वनाथ का अर्धनारीश्वर रूप में श्रृंगार के बाद उनकी आरती उतारी गई. इस दौरान पूरा मंदिर घंटा, डमरू और शंख की आवाज से गूंजता रहा. इसके साथ ही हर-हर महादेव के जयघोष भी सुनाई दिए। बता दें कि सावन के इस महीने में पांच सोमवार हैं. पांचों सोमवार को बाबा विश्वनाथ का अलग-अलग स्वरूप में श्रृंगार हो रहा है. इसी क्रम में तीसरे सोमवार को बाबा विश्वनाथ भक्तों को अर्धनारीश्वर रूप में दर्शन दिया। सामान्य कतारों से बाबा के जलार्पण के लिए पहुंचे श्रद्धालु भावविभोर दिखे। किसी ने परिवार के मंगल की कामना की तो कोई अपने रोगों से मुक्ति की प्रार्थना करता दिखा। श्रद्धालुओं ने बताया कि व्यवस्था बेहद अनुशासित रही और प्रशासन की ओर से हर स्तर पर सहयोग मिला।

ग्राम प्रधान का झाड़ियों में मिला शव, हत्या का आरोप

कानपुर (उत्तरशक्ति)। शिवली थाना क्षेत्र के बैरी दरियाव निवासी प्रधान का शव सोमवार सुबह शिवली -कल्यानपुर मार्ग पर स्थित संभरपुर के पास मिला। मृतक के भाई ने परिवार के लोगों पर मारपीट कर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। वहीं कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। बैरी दरियाव निवासी प्रधान प्रेमनारायण (41) का शव झाड़ियों में मिलने के बाद परिवार के लोग वहां जा पहुंचे। भाई जयराम ने बताया कि छोटा भाई प्रेमनारायण प्रधानी के साथ खेतीबाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। आरोप है कि देर रात घर पर पति-पत्नी में झगड़ा होने के बाद पत्नी व बेटों ने मिलकर भाई की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बाइक से शिवली -कल्यानपुर मार्ग पर स्थित संभरपुर गांव के पास झाड़ियों में फेंक आए। सुबह भतीजे रवि ने डायल 112 पर सूचना दी कि उनके पिता शनिवार को बैंक रुपये निकालने गए थे और तभी से वापस नहीं लौटे। थानाध्यक्ष शिवली शीलेंद्र यादव ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर जांच की जा रही है। परिवार के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कोटक म्युचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड

पटना(उत्तरशक्ति)। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केएमएएमसी / कोटक म्युचुअल फंड) ने 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड' लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मोमेंटम थीम पर आधारित है। यह फंड कंपनी के इन-हाउस विकसित मॉडल के आधार पर उन शेयरों की पहचान करता है जिनमें अर्निंग्स मोमेंटम हो, यानी जिनकी आय में वृद्धि हो रही हो। यह स्कीम 12 अगस्त 2025 तक सार्वजनिक निवेश के लिए खुली रहेगी। मोमेंटम निवेश का सामान्यतः अर्थ है उन शेयरों में निवेश करना जिनकी कीमतों में तेजी हो, उम्मीद के साथ कि यह ट्रेंड जारी रहेगा। हालांकि, यह सिर्फ कीमतों तक सीमित नहीं होता। अर्निंग्स मोमेंटम उन शेयरों पर ध्यान केंद्रित करता है जिनमें आय में सुधार हो रहा हो और जिनके बारे में विश्लेषकों की राय सकारात्मक हो। कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड ऐसे कंपनियों को लक्ष्य बनाता है जिनकी प्रति शेयर आय (ईपीएस) बढ़ रही हो, चाहे वो विश्लेषकों की ओर से मिला अपग्रेड से हो या अप्रत्याशित रूप से अच्छे तिमाही परिणामों से। यह फंड कोटक म्युचुअल फंड द्वारा विकसित विशेष मॉडल पर आधारित है, जो अर्निंग्स व बिक्री में वृद्धि और एनालिस्ट्स की रेटिंग्स के आधार पर मोमेंटम को मापता है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने कहा, ₹बाजार हमेशा अर्निंग्स के अधीन होते हैं। इतिहास गवाह है कि तेजी और मंदी दोनों दौरों में अर्निंग्स ने कीमतों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

लाइनमैनों की सुरक्षा सर्वोपरि : पूर्वांचल डिस्कॉम ने वितरित की 2084 सुरक्षा किट

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (PuVVNL) द्वारा विद्युत कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सोमवार को डिस्कॉम मुख्यालय स्थित शिव शक्ति सभागार में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में लाइनमैनों को 2084 अदद सुरक्षा किटें प्रदान की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक शम्भु कुमार ने नोडल अवर अभियंताओं को सुरक्षा उपकरण सौंपे और कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक ने कहा, ₹हमारे लाइनमैन ही विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के असली योद्धा हैं। उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केवल हेल्मेट, ग्लब्ज और बेल्ट

नहीं, ये सुरक्षा उपकरण उनके लिए जीवन रक्षक कवच हैं।₹ उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फील्ड कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए गए हैं और यह प्रक्रिया सतत जारी रहेगी। कार्यक्रम की शुरूआत में अधिशासी अभियंता श्री संतोष मौर्या ने पीपीटी के माध्यम से लाइनमैनों को विभिन्न सुरक्षा उपकरणों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद लाइनमैन श्री शन्तु द्वारा लाइव मॉक ड्रिल कर उपकरणों के प्रयोग को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रबंध निदेशक द्वारा निम्न अधिकारियों को सुरक्षा किट सौंपकर उनके अधीनस्थ लाइनमैनों को वितरित करने के निर्देश दिए गए : ई दीपू, ई शिवजीत यादव, ई आदित्य पाण्डेय, ई पुष्कर उपाध्याय, ई वेद प्रकाश तिवारी, ई योगेश यादव, ई संजय कुमार, ई सतवंत कुमार, ई पंकज सिंह एवं ई प्रदीप मौर्या। किट में टूल किट, सेफ्टी बेल्ट, अर्थ चैन, एलटी/एचटी टेस्टर, रेडियम जैकेट, जुत्ते, हेलमेट, दस्ताने आदि उपकरण शामिल थे।

कार्यक्रम के अंत में प्रबंध निदेशक ने उपस्थित कर्मचारियों को यह संकल्प दिलाया कि वे– कार्य के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे. सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य प्रयोग करेंगे. चेक लिस्ट और दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करेंगे. सतर्क रहकर कार्यस्थल को दुर्घटनामुक्त बनाएंगे। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी) जितेन्द्र नलवाया, निदेशक (वाणिज्य) शिशिर सिंह, निदेशक (वित्त) संतोष कुमार जड़िया, मुख्य अभियंता राकेश कुमार तथा डिस्कॉम मुख्यालय एवं फील्ड के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रबंध निदेशक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपकरणों की स्थिति की नियमित जांच हो, खराब होने की दशा में तत्काल बदलवाया जाए, और कर्मचारियों को प्रशिक्षण एवं आपातकालीन मॉक ड्रिल अनिवार्य रूप से कराई जाए।

कांवड़ लेकर लौट रहे दो कांवड़ियों की सड़क हादसे में मौत

बरेली (उत्तरशक्ति)। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे आंवला क्षेत्र के तीन युवकों को मुरादाबाद में तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि दो कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। सोमवार दोपहर बाद जब दोनों युवकों के शव गांव पहुंचे तो उनके परिवारों में कोहराम मच गया।

देर शाम दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव करुआ ताल के ग्राम प्रधान के अनुसार पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को गांव से 30 युवकों का जत्था बाइकों से हरिद्वार गंगाजल लाने के लिए रवाना हुआ था। जत्थे को सोमवार को गांव के शिवालय में जलाभिषेक करना था। सोमवार सुबह पुलिस द्वारा सूचना मिली कि जत्थे में शामिल तीन युवक मुरादाबाद के मूढ़ापांडे क्षेत्र में पराग फैक्टरी के सामने हादसे का शिकार हो गए।

हादसे के बाद चालक पिकअप लेकर मौके से फरार हो गया। प्रधान परिजनों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तो पता चला कि गांव निवासी 20 वर्षीय आकाश और 22 वर्षीय माधव राम की मौत हो गई।

जबकि उनका तीसरा साथी 20 वर्षीय अमर सिंह गंभीर रूप से घायल है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि आकाश का पिछले शुक्रवार को ही जन्मदिन था। वह इंटरमीडिएट का छात्र था। परिजनों ने बताया कि उसे घर पर रोकने की बहुत कोशिश की गई।

टीसीआई ने पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों में मजबूत वृद्धि की घोषणा की

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी एकीकृत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन समाधान प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। टीसीआई ने 11,506 मिलियन का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 10,560 मिलियन की तुलना में 9 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय 1,520 मिलियन रही, जो एफवाई2024 के 1,358 मिलियन की तुलना में 11.9 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का शुद्ध लाभ 1,072 मिलियन रहा, जो पिछले वर्ष के 916 मिलियन की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि है। टीसीआई के प्रबंध निदेशक विनीत अग्रवाल ने वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही के परिणामों पर कहा वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में हमने सशक्त प्रगति दर्ज की है, जो हमारे मल्टीमॉडल, वेयरहाउसिंग, थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) और कोल्ड चेन सेवाओं में निरंतर वृद्धि से फलिभूत हुई है। मिश्रित क्षेत्रीय एवम् बदलते वृहदआर्थिक परिदृश्य के बावजूद, हमारी एकीकृत सेवाएं और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण ने हमें परिचालन में गति प्रदान की है।

वसईवासियों के लिए सुगम यात्रा की ओर एक और कदम, पाँच नई एसटी बसों का लोकार्पण

वसई रोड। वसई पश्चिम स्थित वसई बस डिपो में आज यात्रा को सरल और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई। वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के करकमलों से तीसरे चरण की 5 नई राज्य परिवहन (एसटी) बसों का लोकार्पण एवं विधिवत पूजन संपन्न हुआ। धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार बसों की पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद उन्हें वसई के विभिन्न मार्गों पर सेवा के लिए रवाना किया गया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों, विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों को राहत देने के उद्देश्य से की गई है, जिन्हें अब तक बसों की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इससे पहले, 3 अप्रैल 2025 को वसई बस डिपो में प्रथम चरण की 5 बसें और 15 जून 2025 को अनाळ्ळा डिपो में दूसरे चरण की 5 बसें

शामिल की गई थीं। आज तीसरे चरण की 5 नई बसों के साथ पिछले तीन महीनों में कुल 15 नई एसटी बसें वसई क्षेत्र को प्राप्त हो चुकी हैं। यह सफलता वसई विधायक स्नेहा दुबे द्वारा राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के साथ हुई बैठक में परिवहन से संबंधित समस्याओं को प्रभावशाली ढंग से उठाने का प्रतिफल है। उनका प्रयास वसईवासियों के लिए यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इस लोकार्पण कार्यक्रम में वसई बस डिपो प्रबंधक श्रीमती प्रज्ञा अमोल उगले, वसई नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दारीवाला, महासचिव संतोष काकड़, चेतन विल्लीवर, नंदकुमार महाजन, बिजेंद्र कुमार, अजीत सिंह, श्रीमती अपर्णा पाटिल, मुकुंद मुले, संदीप पाटिल, विकास सिंह, अमित पवार, मनमीत राउत, अनिल राउत, चंद्रकांत पाटिल, मारुति गुटकुले, नितिन म्हात्रे, सुशील ओगले, दिलीप राकपाल, अविनाश चावंडे, जाधव, सुनील पांडे, अशोक मिश्रा, परवेश दुबे, राजेश नायर, प्रथमेश ब्राह्मणिया, पुंडलिक राठौड़, मनोज चोटालिया और महायुति के पदाधिकारी, नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी, तथा क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वसई क्षेत्र की ओर से राज्य सरकार और परिवहन विभाग को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया। विधायक स्नेहा दुबे ने आश्वस्त किया कि आने वाले वर्ष में और भी नई बसों की सौगात वसई को देने का प्रयास किया जाएगा।

जबरदस्त छलके जयपुर में कविताओं के जाम

जयपुर। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में जयपुर ने एक अनोखा इतिहास रचा है। गुरुकुल नामक संस्था द्वारा गुरुकुल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसके तत्वावधान में जयपुर के अलग-अलग स्थानों पर एक ही दिन में 9 कवि सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जो कवि सम्मेलनों के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है। इस आयोजन में देश भर से लगभग 75 प्रसिद्ध कवि और कवयित्रियों ने भाग लिया जिन्होंने अपनी देश भक्ति, हास्य, करुण और श्रृंगार रस से ओतप्रोत कविताओं से श्रोताओं को रस सिक्त किया। कवि सम्मेलनों का आयोजन जयपुर के विभिन्न स्थानों पर किया गया। इंजीनियरिंग कॉलेज जे ई सी आर सी में मुंबई से पधारे हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के सफल संचालन में डॉ. काव्या मिश्रा, मनीष तिवारी, गौरीशंकर धाकड़,रमेश पांचाल,

सुमित भारती, बालमुकुंद पुरोहित ने श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। इसी के साथ पाथेय कण भवन सभागार, महावीर स्कूल सभागार, रेलवे अफसर क्लब, राजस्थान चेम्बर भवन, एच डी एफ सी बैंक, अग्रवाल कॉलेज सभागार, परमार्थ सेवा संस्थान, डोगमा कंपनी मुख्यालय और एक राष्ट्रीय चैनल पर अखंड कवि सम्मेलन शामिल हैं। इस आयोजन के संयोजक किशोर पारीक और सुरेंद्र यादवेंद्र ने बताया कि यह आयोजन कवि सम्मेलनों के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है और इसे एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त की गई है। यह महोत्सव 25, 26 और 27 जुलाई तीन दिनों तक चला। हास्य कवि कैलाश सोनी सार्थक को गुरुकुल के प्रमुख,छंद विशेषज्ञ गुरु सक्सेना ने 'गुरु सक्सेना काव्य गौरव' पुरस्कार प्रदान किया। इस आयोजन के माध्यम से जयपुर ने एक बार फिर से अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित किया है और यह आयोजन शहर के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफल रहा है।

सरपंच रामकरण पूनिया ने संस्कृत विद्यालय में किया पौधारोपण

देवीपुरा बणी। ग्राम पंचायत देवीपुरा बणी के सरपंच रामकरण पूनिया एवं भामाशाह प्रहलाद राय जांगिड़ द्वारा राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, पुरोहितों की ढाणी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य किशोरी लाल सिंघल ने माल्यार्पण कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीएमसी पदाधिकारीगण, विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। सरपंच पूनिया ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की आवश्यकता है, और इसके लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को भी पौधे वितरित किए और उन्हें वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में व्याख्याता महावीर प्रसाद, प्रदीप कुमार शर्मा, संतोष कुमार कुमावत,श्रवण कुमार जांगिड़, जयप्रकाश, गोवर्धन शर्मा, गंगाधर, मनीष कुमार, मुकेश कुमार फौजी तथा श्रीमती पूजा पारीक आदि मौजूद- रहे। इस पहल से ग्रामवासियों और विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश गया।

गौ राष्ट्र यात्रा का मुलुंड में गौ समृद्धि धाम द्वारा भव्य स्वागत

मुंबई। गौ आधारित भारत के पुनःनिर्माण की ओर का लक्ष्य लेकर 15 जून से ऋषिकेश से रामेश्वरम तक 61 दिनों की सड़क यात्रा, 12राज्यों से होती हुई, गौ राष्ट्र यात्रा भारत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में शुरू हुई। इस गौ राष्ट्र यात्रा का मुलुंड, मुंबई में गौ समृद्धि धाम के संस्थापक अध्यक्ष राकेश राघवन के नेतृत्व में सुप्रसिद्ध बाल राजेश्वर महादेव मंदिर पर तुतारी, ढ़ोल, मंजिरे के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा,राकेश शेट्टी (प्रवक्ता महाराष्ट्र कॉंग्रेस),मुंबई कांग्रेस के महासचिव सुनील गंगवानी,वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. बाबूलाल सिंह एवं बालराजेश्वर भक्त मंडल बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भगवान शिवजी के दर्शन के पश्चात जुलुम काल कर गौ राष्ट्र यात्रा,

संतोषीमाता मंदिर होते हुए नाथूलाल जी चैरिटेबलट्रस्ट, मुलुंड प. स्थित गौशाला पर सभा में परिवर्तित हो गया। गौशाला के ट्रस्टी दीपक मेंगर ने सभी का स्वागत किया एवं समृद्ध गौशाला का निरिक्षण करवाया। इस अवसर पर राकेश राघवन ने भारत सिंह राजपुरोहित, चरण सिंह सप्रा, राकेश शेट्टी, दीपक मेंगर, डॉ. बाबूलाल सिंह, श्रीमती सुजाता पाठक(पूर्व नगरसेविका), कैलाश पाटील, अरविन्द यादव, अजय पटेल, निर्मला सोनावणे, मैथ्यु चेरियन का शाल एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए भारत सिंह राजपुरोहित ने कहा कि गौ माता द्वारा दिए गये, दूध, घी, गौ मूत्र, गोबर सभी का सदुपयोग मानव की भलाई के लिये हो रहा है। लोग इसे व्यापार के रूप में अपना कर अच्छा धनोपार्जन कर रहे है। इसलिए देश में गौ माता की सेवा और घर घर पालने की योजना लोगों तक पहुंचाने हेतु यह यात्रा शुरू की गयी है। गौशाला के संचालन में आ रही दिक्कतों के लिये उपाय एवं योजना के लिये सरकारी सहयोग हेतु वे सदैव उपलब्ध है। इस अवसर पर उपस्थित सभी नेताओं एवं समाजसेवीयों ने भी गौ सेवा में हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। राकेश राघवन ने बतलाया कि गौ समृद्धि धाम (एन जी ओ) के माध्यम से कुसुम फार्म, शील फाटा रोड़, ठाणे में गौशाला संचालन कर रहे हैं। इस अवसर पर हेमंत बापट, संजय घरत, श्रीकृष्णा कानेकर,हेमंत ठाकुर, रिजवान शेख,पीताम्बर साहू, अशोक पाटेकर, सन्नी सावला, विजय पाटेकर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के दौरे की तैयारी पर सीएम योगी सख्त

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित वाराणसी दौरे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों संग समीक्षा बैठक कर सभी तैयारियों की बारीकी से पड़ताल की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने, स्वच्छता अभियान को तेज करने और जनसभा स्थल पर सभी बुनियादी सुविधाओं को समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का आगमन श्रावण मास के पवित्र अवसर पर हो रहा है, ऐसे में यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि आयोजन सफल, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण रहे। सेवापुरी के बनौली में होने वाली जनसभा को लेकर उन्होंने विशेष दिशा-निर्देश दिए कि जलभराव, जाम, पेयजल, टॉयलेट, और बैठने की सुविधा जैसी सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी हों। बैठक में मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रधानमंत्री दौरे से जुड़ी तैयारियों का ब्यौरा दिया।

पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून-व्यवस्था, पार्किंग, जनसभा स्थल और सेफ हाउस की सुरक्षा की जानकारी साझा की। बैठक में श्रम मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, विधायकगण, एडीजी पियूष मोर्डिया, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, डीआईजी वैभव कृष्णा समेत तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे। सीएम योगी ने सभा स्थल पर सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा और वरुणा नदी की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को सख्त हिदायत दी कि शहर में कहीं भी गंदगी या जलभराव की स्थिति न बनने पाए। उन्होंने निर्देशित किया कि पुलिस प्रशासन रूट पर जाम की स्थिति न होने दे, पब्लिक एड्रेस सिस्टम सुचारु रूप से काम करे और जनसभा के दौरान किसी भी उपद्रव या शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। समीक्षा बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री ने बाबा कालभैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने मंदिर प्रशासन की तैयारियों की भी सराहना की।

लॉयड्स मेटल्स: लौह और इस्पात उद्योग में एक पीपल फर्स्ट संस्कृति की मिसाल

मुंबई। जिस उद्योग को आमतौर पर ताकत और भारी मशीनों से जोड़ा जाता है, वहां लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड यह साबित कर रही है कि असली शक्ति लोगों में होती है। भारत की अग्रणी माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में शामिल लॉयड्स मेटल्स अब न केवल इस्पात उद्योग का भविष्य गढ़ रही है, बल्कि एक आदर्श नियोक्ता बनने की दिशा में भी मिसाल कायम कर रही है। कर्मचारी पहले, पद बाद में लॉयड्स की सोच बेहद साफ है झ आजादी और भरोसे से ज़िम्मेदारी खुद विकसित होती है। कंपनी में पद नहीं, बल्कि सोच नेतृत्व तय करती है। लॉयड्स मेटल्स के ग्रुप सीएचआरओ, वेंकटेशन आर कहते हैं, हम यहां फ्लैट स्ट्रक्चर में काम करते हैं, जहां हर स्तर का कर्मचारी पहल कर सकता है, समस्याओं का समाधान कर सकता है और नेतृत्व कर सकता है। हर कर्मचारी के पास हिस्सेदारी का हक - लॉयड्स ने अपने कर्मचारियों के लिए एक बेहतरीन ईएसओपी योजना बनाई है, जिसमें व्हाइट कॉलर से लेकर शॉपफ्लोर वर्कर्स तक को कंपनी में हिस्सेदारी दी जाती है। अब तक 2700 से अधिक कर्मचारी इस योजना का लाभ उठा चुके हैं, जिनमें 1700 अधिकारी और 1000 से अधिक फैक्ट्री कर्मचारी शामिल हैं। ईएसओपी का मूल्य सिर्फ 4 प्रति शेयर रखा गया है, जिससे कर्मचारियों को कंपनी के मुनाफे में प्रत्यक्ष हिस्सा मिलता है। अब तक कंपनी ने कर्मचारियों को 1.43 करोड़ से अधिक शेयर दे दिए हैं। करियर नहीं, काबिलियत की पहचान है यहां - लॉयड्स में तरक्की किसी एक तय रास्ते से नहीं होती। यहां युवा टैलेंट को जल्दी मौका मिलता है, अगर वे अपनी प्रतिभा और सोच दिखा सकें। कंपनी हर कर्मचारी में निवेश करती है–तकनीकी प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास और एक्सिक्यूटिव कोचिंग के जरिए।

क्राइम ब्रांच सेल 01 काशीमीरा ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बेचते हुए एक आरोपी को किया गिरफ्तार

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में काशीमीरा क्राइम ब्रांच सेल 01 ने लाखों का माल जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। बता दे की मीरा भायंदर, वसई विरार पुलिस आयुक्तालय ने प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट रखने, बेचने और अवैध परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। तदनुसार, क्राइम ब्रांच सेल 01 काशीमीरा टीम को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट रखने, बेचने और अवैध परिवहन के बारे में गोपनीय सूचना मिली थी, और गत 26/07/2025 को लगभग 14.50 बजे मीरा रोड पूर्व, कनकिया रोड, बी.एम.सी. ऑफिस रोड, जांगिड़ एन्क्लेव बिल्डिंग के पास, से गिरफ्तार किया गया, जिसका इस्लाम नाम रेहान सिराज अहमद शेख, निवास बैंक रोड, नयानगर, मीरा रोड पूर्व ताल. जिला. ठाणेः का रहने वाला है। जिसके पास से 1) एल्फबार राया

डी 3 ब्लैक गोल्ड एडिशन 30000, कंपनी की 25 ई-सिगरेट, 2) एल्फबार मूनियंट 40 के, कंपनी की 13 ई-सिगरेट, 3) युओटो थानोस 5000, कंपनी की 11 ई-सिगरेट, 4) थानोस 5000, कंपनी की 35 ई-सिगरेट, 5) उक्त सिगरेट के परिवहन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मोटरसाइकिल, 1,88,000/- रुपये के सामान के साथ जब्त कर ली गई है। और उसके खिलाफ मीरा रोड पुलिस स्टेशन में सरकार की ओर से अपराध शाखा, सेल 01, काशीमीरा के पुपानीरी/संदीप सुधाकर शिंदे द्वारा शिकायत दर्ज की गई है। इस संबंध में मीरा रोड पुलिस स्टेशन में ई-सिगरेट उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन निषेध अधिनियम, 2019 की धारा 4, 5, 7 और 8 के तहत अपराध संख्या 350/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए मीरा रोड पुलिस स्टेशन में पेश किया गया हैं।

उपरोक्त प्रदर्शन माननीय द्वारा किया गया। निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त, अपराध, मदन बल्लाल, छठे पुलिस आयुक्त, क्राइम ब्रांच, क्राइम ब्रांच सेल-1, काशीमीरा, पोन. प्रमोद बडख, सपोनी सचिन सानप, पौपानिरी/उमेश भागवत, संदीप शिंदे, सफी/अशोक पाटिल, अविनाश गर्जे, संजय शिंदे, संतोष लांडगे, पुष्पेंद्र थापा, पो.हवा/मनोज चव्हाण, सचिन हुले, सुधीर खोत, प्रशांत विस्पुते अश्विन पाटिल, सनी सूर्यवंशी, पो.शि/गौरव बारी, सौरभ इंगले, धीरज मगाने एम.सुब बी/किरण असवले, द्वारा कारवाई किया गया।

युवक का शव कमरे में फांसी पर लटका मिला परिजनों देख कर मची चीख पुकार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के बुढ़ूपुर गांव में 20 वर्षीय दीपक का उसके कमरे में रविवार की रात को फंदे से लटकता शव मिला। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह का पता चलेगा।पुलिस ने बताया कि दीपक अपने गांव से बोल बम कांवड़ियों को शाम को विदा करके घर आया। इसके बाद अपने कमरे में चला गया। देर शाम जब खेती के काम से लौटकर घर आयी मां बिलासी देवी उसे बुलाने गई तो उसका शव को देखा।बिलासी ने बताया कि उसके बेटे का शव दुपट्टे से पंखे में लटक रहा था। परिजन उसे फंदे से उतारकर तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत का कारण पता नहीं चल सका है। मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था और अपने घर का एकलौता कमाऊ सदस्य था। पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। भाई प्रदीप उससे छोटा है। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

बारिश से कच्ची दीवार गिरने से किशोर की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के खुटहन थाना क्षेत्र के दरना गांव में सोमवार अपरान्ह ढाई बजे बारिश के दौरान एक कच्ची दीवार गिर गई। इस हादसे में 15 वर्षीय अंशू यादव दीवार के मलबे में दब गया। अंशू अपने घर से खेलने निकला था और पड़ोसी के मकान से गुजरते समय यह हादसा हुआ। ग्रामीणों और परिजनों ने किशोर को मलबे से निकाला और उपचार के लिए शाहगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां चिकित्सकों ने अंशू को मृत घोषित कर दिया। अंशू सुधारक यादव का पुत्र था और उसका घर हादसा स्थल से लगभग सौ मीटर की दूरी पर था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है और परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

महाराजगंज बिजली सब डिविजन में 68 हजार 186 बिजली उपभोक्ता

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के लिए 125 यूनिट विजली बिल माफ करने की घोषणा का लाभ 125 यूनिट तक खर्च करने वाले गरीब घरेलू उपभोक्ताओं को मिलेगा। लेकिन 125 यूनिट से अधिक खर्च करने वाले घरेलू उपभोक्ता वांछित रह जाएंगे। बिजली बिल 125 जूनिट तक खर्च होने वाले उपभोक्ताओं का लाइन डिस्कनेक्ट है वैसे उपभोक्ता सहायक बिजली अभियंता (राजस्व) के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

री-कनेक्शन को ले विभाग चलायेगा अभियान बकाया व अन्य कारणों से जिनका बिजली कट गया है, उन्हें री-कनेक्शन दिया जायेगा। इसके लिए विभागीय स्तर पर अभियान चलाकर उपभोताओं को बिजली से मिलने वाले लाभ की भी जानकारी दी जाएगी। जहां बिजली नहीं पहुंच पायी है, वहां बिजली पहुंचाई जाएगी। विभाग व सरकार की मंशा है की अधिक से अधिक लोगों को 125 यूनिट की बिजली का लाभ मिले।

जिनका ज्यादा नहीं आता है बिल-

ऐसे में उनका बिल विभाग माफ के बराबर ही मान रहा है। वैसे 125 यूनिट से बिल ज्यादा आता है तो कुल बूनिट में 125 यूनिट घटाकर चिजली बिल भुगतान करना विभाग के अनुसार 21 अगस्त से 12 अगस्त के बीच भीतर उपभोक्ताओं की बिजली बिल दे दिया जायेगा। जिसमें 125 यूनिट का लाभ उन्हें मिलेगा। यह लाभ व्यवसाई कनेक्शन पर नहीं मिल पायेगा। ग्रामीण क्षेत्र में उपभोक्ता का बिजली बिल अकसरहा 125 यूनिट तक ही आता है, जिसके कारण उन्हें बिल दे नहीं होगा। विभागीय स्तर पर अगस्त में स्पष्ट हो जायेगा की कितने उपभोक्ता जो सरकार द्वारा घोषित युनिट से कम उपभोग करते है.पूर्व से ही सरकार द्वारा जारी व ग्रामीण क्षेत्री में 7.42 पैसे प्रति यूनिट बिजली बिल निर्धारित है, लेकिन सब्सीडी के कारण शहरी क्षेत्र में करीब 4.27 व ग्रमीण क्षेत्र में 2.90 प्रति यूनिट बिल सरकार वसूल रही थी. अब उसमें सरकार द्वारा 125 युनिट सरकार द्वारा पोषित 125 दुनिट की बिजली माफ होगी। कलेक्शन के लिए अभियान चलाया जाएगा। बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ आगे की अभियान जारी रहेगा वैसे उपभोक्ता की बिजली काटी जाएगी। आईए जानते क्या कहते हैं अधिकारी सरकार के निर्देश का अक्षरशः पालन किया जाएगा। इसके लिए बिजली विभाग अपनी तैयारी अविलंब पूरी कर लेगी। दिलीप कुमार, सहायक विद्युत अभियंता (राजस्व) महाराजगंज।

तिसरी सोमवारी के अवसर पर निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन बाबा महेंद्रनाथ धाम

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत सिवान में सिसवन प्रखण्ड के बाबा महेंद्रनाथ धाम के प्रथम गेट लौवारी मोड पर, बाबा महेंद्रनाथ सेवा मंच के तत्वधान में। सावन के पावन महीना में लगातार तिसरी बार। तीनों सोमारी को शिव भक्तों के लिए जल शरबत, मेडिसिन ,चना गुण वितरण किए गए । बताते चले कि सेवा मंच 2009 से लगातार सेवा प्रदान करती है । सेवा मंच के वरिष्ठ शैलेन्द्र कुंवर ने बताया की चौथे सोमवारी को भी सेवा शिबीर शिव भक्तों के सेवा में तत्पर रहेगी । उन्होंने ने बताया कि हमारे संस्था के युवा टीम उत्सव दुबे अपने टीम के साथ सक्रियता से शिबीर को सफल बनाने में पूरा सहयोग किया है। इस लिए मैं युवा टीम को धन्यवाद कहता हूँ। मौके पर आत्मा कुमार सिंह, अजीत कुमार मोनू , ओपी सिंह, उज्जवल दुबे, आदि बहुत से सदस्य उपस्थित थे।

शिव मंदिरों में जलाभिषेक को ले उमड़ी भक्तों की भीड़

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में अनुमंडल मुख्यालय व आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को सावन की तीसरी सोमवारी को भगवान शिव के जलाभिषेक को ले शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। शिव मंदिर में हर-हर महादेव, ओम नमः शिवाय का महामंत्र व जयघोष गूंज रहे थे। शहर के रामेश्वर धाम, बाला बाबा मठ, नई मठ पसनौली, दोबावलिया, महुआरी, पोखरा, टेघड़ा,, बजरहिया सहित अनय ग्रमीण क्षेत्रों के शिवालयों में अहले सुबह से भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। भक्त जल, दूध, दही, घी, मधु, गुण, गन्ने का रस, गंगाजल से शिव का अभिषेक कर, बेलपत्र, भांग ,धतूरा, दूर्वा, शमी पत्र, फल, फूल व नैवेद्य अर्पण कर रहे थे। सुभावती देवी, मनोज देवी, कृष्णा देवी, गायत्री देवी, आशा देवी, इंदु देवी, जय कुमारी देवी, कालिंदी देवी व विंदु देवी ने बताया कि सावन की प्रत्येक सोमवार को विधिवत व्रत रखकर अखंड सौभाग्य व संतान की दीघार्यु के लिए शिव पार्वती की आराधना करते हैं।

वाराणसी में एसओजी-2 का गठन, जुआ, सट्टा, अवैध हुक्काबार की होगी निगरानी

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अवैध कार्यों की निगरानी और त्वरित कार्यवाही के लिए कमिश्नरेट वाराणसी में एसओजी-2 का गठन किया गया है। जुआ, सट्टा, अनैतिक कार्य, अवैध हुक्काबार, मादक पदार्थों की बिक्री आदि को रोकने के लिए एसओजी-2 कार्य करेगी।एसओजी-2 टीम के सदस्य उप निरीक्षक अभिषेक पांडेय, कांस्टेबल सचिन मिश्रा थाना कैंट और अखिलेश कुमार गिरि थाना सिगरा और रामनगर थाना के कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह है। पूर्व में गठित विशेष ऑपरेशन ग्रुप अब एसओजी-1 के नाम से कार्य करेगी, जो लूट, डकैती, चोरी, नकबजनी, वांछित व पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी एवं अपराध पदार्फाश में शामिल रहेगी। कैंप कार्यालय पर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों संग बैठक की।उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए एसओजी-2 टीम को जुआ, सट्टा, अनैतिक कार्य, अवैध हुक्काबार व मादक पदार्थों की बिक्री जैसे सामाजिक अपराधों पर विशेष निगरानी और कार्रवाई की जिम्मेदारी दी गई है। पूर्व में गठित विशेष ऑपरेशन ग्रुप अब एसओजी-1 के नाम से कार्य करेगी, जो लूट, डकैती, चोरी, नकबजनी, वांछित व पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी एवं अपराध खुलासा में शामिल रहेगी। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा, सभी पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस उपायुक्त मौजूद रहें।

एकम्स ड्रग्स को अपनी स्टेराइल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए ANVISA GMP सर्टिफिकेशन मिला

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग दवा कंपनी 'एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड' ने खुशी जताई है कि उसकी स्टेराइल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को ब्राजील की हेल्थ अथॉरिटी ANVISA ÀfZ GMP सर्टिफिकेट मिला है। इस उपलब्धि से कंपनी को ब्राजील में खासकर इंजेक्टेबल दवाओं के क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। अठश्करअ को दुनिया की सबसे सख्त और विश्वसनीय हेल्थ रेगुलेटरी अथॉरिटीज में से एक माना जाता है। इसका सर्टिफिकेट पूरी दुनिया में मान्य होता है। इसका सर्टिफिकेट मिलना यह दशार्ता है कि एकम्स उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और नियमों के उच्चतम मानकों का पालन करती है। एकम्स के प्लांट को अठश्करअ की मंजूरी मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। इसका मतलब है कि इस फैक्ट्री की गहराई से जांच की गई है और यह ब्राजील के कानूनों व WHO की गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस से पूरी तरह मेल खाती है। उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित एकम्स की एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री स्टेराइल (जीवाणु-रहित) दवाओं के निर्माण के लिए समर्पित है। ANVISA सर्टिफिकेशन यह साबित करता है कि यह प्लांट स्टेराइल दवाओं के कई प्रकार जैसे सेप्टिक तरीके से बनाए गए पेनिसिलिन पाउडर, टर्मिनल स्टेरिलाइज्ड लार्ज वॉल्यूम इंजेक्शन (LVP), टर्मिनल स्टेरिलाइज्ड स्मॉल वॉल्यूम इंजेक्शन (SVP), और सेप्टिक तरीके से तैयार किए गए स्मॉल वॉल्यूम इंजेक्शन बनाने में पूरी तरह सक्षम है। यह प्लांट आधुनिक तकनीकों से लैस है और सख्त नियमों का पालन करता है, ताकि हर दवा सुरक्षित हो, सटीक बनी हो और सही तरीके से असर करे। स्टेराइल माहौल, क्लीनरूम प्रक्रिया, निर्माण के दौरान निगरानी और बैच की रिलीज जैसी हर प्रक्रिया को बहुत ही सावधानी से जांचा और कंट्रोल किया जाता है। इस उपलब्धि पर बात करते हुए एकम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव जैन ने कहा, हमारे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को ANVISA GMP सर्टिफिकेशन मिलना हमारे लिए सम्मान की बात है। अब हमारी स्टेराइल मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को दुनियाभर में मान्यता मिल गई है और हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हेल्थकेयर को बेहतर बनाने में अपना योगदान देने को लेकर उत्साहित हैं। यह सर्टिफिकेशन हमारे पार्टनर्स को ब्राजील और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में दवाओं का रजिस्ट्रेशन और कमर्शियल लॉन्च तेजी से करने में मदद करेगा, क्योंकि उन्हें हमारे मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और रेगुलेटरी सपोर्ट का भरोसा मिलेगा। एकम्स के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप जैन ने कहा, एकम्स में हमारा विश्वास है कि हम अपने पार्टनर्स को ऐसी मैन्युफैक्चरिंग सर्विस दें जो भरोसेमंद, बड़े स्तर पर की जा सकने वाली और सभी नियमों का पालन करने वाली हो। ANVISA से हमारे प्लांट को मिली मंजूरी हमें यह ताकत देती है कि हम अपने क्लाइंट्स को सख्त नियमों वाले देशों में भी स्टेराइल दवाएं पहुंचाने में मदद कर सकें, जो सुरक्षा और असर के उच्चतम मानकों पर खरी उतरती हों।

संदिग्ध परिस्थिति में गर्भवती की मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में स्थानीय शहर के पुरानी बाजार वार्ड क्रमांक 4 स्थित एक किराए के मकान में रविवार की शाम करीब 8 बजे दो माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतका की पहचान हसनपुरा थाना क्षेत्र के महुअल माहाल गांव निवासी सनी कुमार पांडेय की 22 वर्षीय पत्नी मनीषा देवी के रूप में हुई है। पड़ोसियों को सोमवार को सुबह में मालूम हुई। आस- पड़ोस के लोगों ने मृतका के मायके के यहां खबर दी. मायके वालों ने बताया कि मनीषा देवी की शादी 5 माह पहले महुअल माहाल गांव निवासी अजय कुमार पांडेय के पुत्र सनी कुमार पांडेय से 5 मार्च 2025 को हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। मृतका का मायका दरौली थाना क्षेत्र के बेलसनी गांव है।

परिजन मृतका को शहर के एक निजी क्लिनिक में लेकर पहुंचे। जहां देखते हीं चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उसके बाद परिजन मृतका के शव को लेकर अपने घर महुअल माहाल पहुंच कर शव का दाह संस्कार की तैयारी में लग गए। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही हसनपुरा थाना पुलिस ने मृतका के घर पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले ली।

घटना स्थल पर मृतका के भाई अजय पांडेय पहुंचा था। बताया कि मेरी बहन रविवार के दिन फोन कर रोने लगी, बताई कि बराबर पति-पत्नी में छोटा मोटा झगड़ा होता रहता है। उसके आधा घंटा बाद मैं फोन किया तो फोन नहीं उठाई। तब मैने रात करीब 9 बजे महाराजगंज पहुंच कर उसके डेरा पर गया। डेरा में ताला बंद था। मैने महाराजगंज के एक निजी क्लिनिक में गया । वहां बताया गया कि उसका गल्ला दबा कर मार दिया गया है। मृतका के परिजन शव को लेकर अपने घर महुअल माहाल गांव लेकर चले गए है। बताया जाता है कि घटना को लेकर एफएसएल की टीम घटना स्थल पर पहुंचा। घर पर ताला लगा होने के कारण एफएसएल टीम बिना जांच के लौट गई।

पीएनबी व राइस मिलरों की बैठक संपन्न, बैंकिंग समस्याओं पर गंभीर मंथन

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद के होटल सूर्या इंटरनेशनल में आज पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आयोजित राइस मिलरों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का उद्देश्य क्षेत्र के चावल उद्योग से जुड़े उद्यमियों की बैंकिंग संबंधी समस्याओं को समझना व समाधान की दिशा में ठोस पहल करना था। बैठक के मुख्य अतिथि वाराणसी मंडल प्रमुख प्रभाश चंद्र लाल रहे, जिन्होंने पीएनबी की नीतियों को स्पष्ट करते हुए राइस मिलरों को बैंकिंग सहयोग का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम की अध्यक्षता रॉबर्ट्सगंज शाखा प्रबंधक सीए

रोशन चौरसिया ने की, जिन्होंने स्थानीय स्तर पर उठाए जा रहे प्रयासों को साझा किया और समस्याओं के निस्तारण के लिए खुला संवाद किया। बैठक में राइस मिलरों की कई प्रमुख चिंताओं पर चर्चा हुई, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे। विशेष रूप से ब्याज दर को लेकर चर्चा के दौरान, बैंक द्वारा संशोधित 7.5% की नई दर की जानकारी दी गई, जिससे मिलरों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में वाराणसी से आए पी.एल.पी हेड सावेश सिद्दकी, अमन पांडेय, बृजेश सिंह, रिकेश सिंह सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इन अधिकारियों ने भी राइस मिलर्स के सुझावों को गंभीरता से सुना और आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में शामिल राइस मिलरों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की बैठकें समय-समय पर होती रहें तो बैंक और व्यवसायियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

शाहगंज रोडवेज डिपो पर कर्मचारी संयुक्त परिषद का चुनाव संपन्न, स्वतंत्र कुमार यादव बने अध्यक्ष

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज स्थित रोडवेज डिपो पर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद शाखा का चुनाव संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार यादव और उमाशंकर यादव की देखरेख में यह चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। चुनाव के बाद परिणामों की घोषणा की गई। स्वतंत्र कुमार यादव को शाखा का नया अध्यक्ष चुना गया। पन्नालाल बोस को उपाध्यक्ष और विवेक कुमार सिंह को शाखा मंत्री के पद पर निर्वाचित किया गया। रामचंद्र यादव क्षेत्रीय प्रतिनिधि चुने गए। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को संस्था का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। चुनाव स्थल पर कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। इनमें रामधारी (SF), अखिलेश चौरसिया, विनोद कुमार, गिरीश श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिंह, रामाशंकर यादव, राकेश नाथ वर्मा, विजय मिश्रा, दीनानाथ सिंह, शरद सिंह और रामचंद्र यादव शामिल थे। संयुक्त परिषद शाखा शाहगंज के सभी सम्मानित सदस्य चुनाव प्रक्रिया में मौजूद रहे।

जैसवार विकास संघ द्वारा वीरांगना फूलन देवी एवं डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। माता रमाबाई अंबेडकर नगर, गंध कुटीर बुद्ध विहार हाल घाटकोपर मुंबई में जैसवार विकास संघ के तत्वावधान में वीरांगना फूलन देवी एवं भारत रत्न, मिसाइल मैन, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा एवं कार्यकर्ता पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जैसवार विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम सामुझ गौतम जी उपस्थित रहे। उनके साथ प्रकाश सच्चन, अशोक जैसवार, दीपक गौतम, उमेश जैसवार, डॉ. ज्ञानी

लौटन प्रसाद, एडवोकेट नरेंद्र प्रधान, दीपचंद जैसवार, महिला अध्यक्ष आत्मा देवी, तिजा देवी, एवं वरिष्ठ समाजसेवी कल्लू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए वीरांगना फूलन देवी और डॉ. कलाम के जीवन संघर्ष, सिद्धांतों एवं प्रेरणास्पद कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में यह संकल्प लिया गया कि समाज के महापुरुषों की विचारधारा को गांव-गांव, गली-गली एवं जन-जन तक पहुंचाया जाएगा, जिससे समाज में जागरूकता और एकता को बल मिल सके।

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले काशी पहुंचे सीएम योगी, अफसरों के साथ करेंगे बैठक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2 अगस्त को प्रस्तावित दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को काशी पहुंच गए। सीएम योगी यहां पीएम की जनसभा और लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रमों की तैयारियों की जमीनी हकीकत परख रहे हैं। शाम को जिले के आला अधिकारियों के साथ बैठक कर वे विकास परियोजनाओं की सूची को अंतिम रूप देंगे।

मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और कालभैरव के दर्शन भी करेंगे। जानकारी के अनुसार, सीएम एयरपोर्ट से लेकर जनसभा स्थल तक सभी तैयारियों का जायजा लेंगे। पीएम की जनसभा में आने वाले लगभग 80 हजार लोगों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की भी विस्तार से जानकारी लेंगे। जनसभा स्थल पर जर्मन हैंगर का विशाल पंडाल लगाया जा रहा है, लेकिन बारिश के कारण काम में थोड़ी दिक्कतें आ रही हैं। इलाके में कीचड़ फैल गया है, जिससे मजदूरों को दिक्कत हो रही है। कीचड़ वाले स्थानों पर बालू का छिड़काव किया जा रहा है ताकि आवाजाही आसान हो सके। जनसभा स्थल के पास एक अस्थायी हेलिपैड भी तैयार किया जा रहा है।भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि जनसभा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी है। हर विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में कार्यकताओं के आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा, यातायात, पेयजल, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण जैसे तमाम पहलुओं को लेकर प्रशासन को दिशा-निर्देश दिए हैं।

प्रभु राम लाखाराम प्रजापत को मारु प्रजापति समाज साचौर का मुंबई अध्यक्ष बनाए जाने पर कोड सरपंच किशनलाल प्रजापत, भूपाराम प्रजापत, प्रेमाराम प्रजापत, रूडाराम प्रजापत एवं समस्त प्रजापत समाज के लोगों ने हार्दिक शुभकामनाएं दी है। छायाः सावलाराम प्रजापति

बीमा दलालों को उच्च प्रशासनिक मानक और व्यावसायिक नैतिकता बनाए रखनी चाहिए: IRDAI सदस्य

मुंबईः IRDAI के वितरण सदस्य सत्यजीत त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय बीमा ब्रोकिंग उद्योग में विदेशी निवेशकों की रुचि बढ़ रही है और इस क्षेत्र के दिग्गजों को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि प्रशासनिक मानक उच्च रहें और व्यावसायिक नैतिकता बनी रहे। उन्होंने बीमा दलालों को आगाह किया कि वे मूल्यांकन बढ़ाने और व्यवसाय करने के लिए सूचीबद्ध होने के लिए कोई भी तीखा व्यवहार न अपनाएँ, जो आगे चलकर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। त्रिपाठी भारतीय बीमा दलाल संघ के 24वें स्थापना दिवस पर उसे संबोधित कर रहे थे। बीमा वितरण क्षेत्र के कई संस्थानों और अन्य ने अपने द्वारा सृजित मूल्य पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। इस क्षेत्र में विलय और अधिग्रहण, और विभाजन में रिकॉर्ड गतिविधियों से इसकी पुष्टि होती है। हम इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की बढ़ती रुचि देख रहे हैं। त्रिपाठी ने कहा कि नियामक इस क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन बढ़ती गतिविधियों को देख रहा है। हालांकि यह हर तरह से ठीक है, लेकिन मुझे एक चेतावनी जरूर जोड़नी चाहिए कि बढ़ती वृद्धि के साथ, हमें मूल्यांकन बढ़ाने, सूचीबद्ध होने और इस तरह से व्यवसाय करने के लिए जिन्हें हम तीखे तरीके कहते हैं, उन्हें अपनाने की जरूरत नहीं है, जो आगे चलकर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। अब समय आ गया है कि मध्यस्थ क्षेत्र अपनी कमर कसें और यह भी देखें कि वे अपने स्वयं के ढांचे में दीर्घकालिक मूल्य कैसे सृजित करें।